।। श्री हरि शरणम्।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 12 अंक - 302

रायसेन
बुधवार, 30 अप्रैल 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

सीएम डॉ. मोहन यादव ने की श्री परशुराम जयंती पर प्रदेशवासियों के कल्याण की प्रार्थना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान विष्णु के अवतार, परम तपस्वी भगवान श्री परशुराम जयंती की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम, पृथ्वी पर शौर्य के अतुलनीय प्रतिमान हैं, उनकी कृपा सभी पर बनी रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परशुराम जयंती पर ईश्वर से प्रदेशवासियों के लिए सुख-समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री आज करेंगे श्रमिक परिवारों को 600 करोड़ अंतरित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज धार जिले के उमरबन में संबल योजना में अनुग्रह सहायता के 27 हजार 523 प्रकरणों में राशि रूपये 600 करोड़ सिंगल क्लिक से वितरित करेंगे। कार्यक्रम में श्रम व पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं स्थानीय जन प्रतिनिधि, हितग्राही उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना, प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। इसमें अनुग्रह सहायता योजना के अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रूपये प्रदान किये जाते हैं। इसी प्रकार स्थायी अपंगता पर 2 लाख रूपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रूपये तथा अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रूपये प्रदान किये जाते हैं।

भारत के 52वें सीजेआई होंगे जस्टिस रामकृष्ण गवई

नई दिल्ली। जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई को मंगलवार को भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश (सीजीआई) के रूप में नियुक्त किया गया है। वह 14 मई को मुख्य न्यायाधीश का पद

संभालेंगे। 13 जून को मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जस्टिस गवई उनकी जगह लेंगे। जस्टिस गवई देश के दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश हैं। कानून मंत्रालय ने जस्टिस गवई की भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की अधिसूचना जारी की है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उनका नाम 16 अप्रैल को सीजेआई खन्ना द्वारा केंद्र सरकार को सिफारिश के रूप में भेजा गया था। जस्टिस गवई का कार्यकाल छह महीने का होगा और वह 23 दिसंबर को 65 वर्ष की आयु पूरी करने पर पद से सेवानिवृत्त होंगे।

अंतर्मना उवाच

अलकनंदा, उत्तराखंड : प्रतिदिन की भांति खुले आसमान के नीचे भरी दोपहरी में तपोशिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज दोपहर की सामयिक करते हुए...

सब कुछ जानते हुये भी आप गलत को गलत नहीं कह पा रहे हैं..तो आप कभी अपने हक के लिये कुछ भी नहीं कर पाओगे..!

*इसलिए एक-दो व्यक्ति अपने आसपास ऐसे रखो जो आपकी बुराई आपसे हक से कह सके और आप उन्हें सुनकर, सहन कर सकें। **यदि गलती हो तो ठीक कर लो और गलत फ़हमी हो तो दूर कर दो।** इससे स्वयं और संबंधों को ज़्यादा फ़ायदा होगा, क्योंकि आज का सबसे कठिन काम है अपनी बुराई अपनों से सुनना और उसे सुधारना। **बुराई या कमी बताने वाला बिना पानी और बिना साबुन के हमारे स्वभाव को निर्मल बना रहा है।***

निंदा, बुराई, कमी बताने वाले दो प्रकार के हैं..!

- *एक वे - जो अच्छे के लिये, सुधार के लिए, हमारी प्रतिभा को निखारने के लिए कमी बताते हैं, वे हमारे हितैषी और अच्छा सोचने वाले व्यक्ति हैं।*
- *दूसरे वो - जो सिर्फ प्याज के छिलके निकालने का काम करते हैं। ऐसे व्यक्तियों से संभल कर रहना चाहिए, क्योंकि वे हर बात का छिद्रान्वेषण करते हैं और मनोबल को तोड़ते हैं। ऐसे व्यक्ति द्वेष, ईर्ष्या और घृणा से भरे होते हैं। जिनको दूसरों के गुण, अच्छाई, नाम, ख्याति, प्रशंसा, तप, साधना की ऊंचाई सहन नहीं हो पाती है, वे बुराई, कमी बताने पर ही आमदा रहते हैं। ऐसे लोगों से दूर रहना ही श्रेष्ठ है।*

निंदा, बुराई, कमी हमें हमारे व्यक्तित्व को निखारती है, परिमार्जन और परिष्कृत करती है।** इससे हम अपने जीवन में बेहतर की ओर अग्रसर होते हैं। इसलिए -- **कभी भी निंदा, बुराई, कमी बताने वालों को अपना दुश्मन मत समझो बल्कि उनकी बातों को सुनकर उत्तेजित ना होकर अपने विवेक से निर्णय लें...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

तीनों सेना प्रमुखों के साथ हाई लेवल मीटिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले

टारगेट, समय और तरीका तय करे आर्मी, दी तीनों सेनाओं को खुली छूट

भारत की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत आतंक को कुचलने का संकल्प

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देश के शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल हुए। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी इस बैठक का हिस्सा थे। बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। यह बैठक उस समय हुई है, जब दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत जवाबी कार्रवाई के विकल्पों पर विचार कर रहा है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश पर्यटक थे।

पीएम मोदी ने क्या कहा- सरकारी सूत्रों के अनुसार, बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद पर करारी चोट करना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। पीएम मोदी ने सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा विश्वास और भरोसा जताया। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा, उन्हें (सशस्त्र बलों को) हमारी प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय तय करने की पूरी स्वतंत्रता है। पीएम मोदी ने वादा किया है कि इस हमले के पीछे जो आतंकवादी और उनके मददगार हैं, उन्हें दुनिया के आखिरी छोर तक ढूंढ कर कल्पना से परे सख्त सजा दी जाएगी। यह पाकिस्तान की ओर इशारा माना जा रहा है, जिसका भारत में आतंकवाद फैलाने का इतिहास रहा है। इससे पहले सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से उनके आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। यह बैठक उस दिन हुई, जब सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने राजनाथ सिंह को पहलगाम आतंकी हमले के बाद लिए गए कुछ फैसलों की जानकारी दी।

पहलगाम हमले के बाद सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी। इसमें विपक्षी दलों ने आतंकियों के खिलाफ सरकार किसी भी कार्रवाई को पूरा समर्थन देने की बात कही।

हमले के अगले दिन कैबिनेट सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक भी हुई थी। इस बैठक में बताया गया कि इस आतंकी हमले के तार सीमा पार से जुड़े हुए हैं। साथ ही यह भी कहा गया कि यह हमला ऐसे समय हुआ है जब जम्मू-कश्मीर में चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हुए हैं और राज्य धीरे-धीरे आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहा है।

पाक के खिलाफ पांच रण-नीतिक फैसले-सीसीएस की बैठक में पाक के खिलाफ पांच बड़े फैसले लिए गए थे। इसमें सिंधु जल संधि को तत्काल स्थगित करना, अटारी चेक पोस्ट को बंद करना, पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा के तहत भारत में प्रवेश की अनुमति खत्म करना, पाक उच्चायोग में तैनात रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायु सेना के सलाहकारों को एक हफ्ते के भीतर देश छोड़ने का आदेश जैसे फैसले शामिल थे।

भारत की कार्रवाई के बाद बौखलाया पाकिस्तान, साइबर हमले की रची साजिश; भारतीय सेना ने दिया करारा जवाब

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ कुछ सख्त कार्रवाई की, जिसके बाद पाकिस्तान की बौखलाहट उसकी हरकतों से साफ तौर पर नजर आ रही है। इसी बीच पाकिस्तान से संचालित साइबर अपराधियों ने एक बार फिर भारत की साइबर सुरक्षा को भेदने की नाकाम कोशिश की है। हालांकि भारतीय साइबर सुरक्षा प्रणाली ने इन सभी हमलों को समय रहते पहचानकर विफल कर दिया। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान समर्थित आईओके हैकर समूह ने आर्मी पब्लिक स्कूल श्रीनगर व रानीखेत, आर्मी वेलफेयर हाउसिंग ऑर्गनाइजेशन और भारतीय वायु सेना के प्लेसमेंट पोर्टल को निशाना बनाया। इसके तहत उनका मकसद वेबसाइटों को नुकसान पहुंचाना, सेवाएं बाधित करना और निजी डेटा चुराने की कोशिशें शामिल थीं। बता दें कि हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की भूमिका सामने आने के बाद अब पाकिस्तान भारत की ऑनलाइन सेवाओं को निशाना बनाने की नापाक चाल चल रहा है। हालांकि, भारत की मजबूत साइबर सुरक्षा प्रणाली ने इन हमलों को तुरंत पहचान लिया और चारों वेबसाइटों को समय रहते अलग कर क्षति से बचा लिया गया। कोई भी ऑपरेशनल या संवेदनशील नेटवर्क प्रभावित नहीं हुआ। वहीं, एलओसी पर भी भारत ने मजबूती से जवाब दिया है। 28-29 अप्रैल की रात को कुपवाड़ा, बारामुल्ला और अखनूर सेक्टर में पाकिस्तान की गोलीबारी का भारतीय सेना ने प्रभावशाली जवाब दिया। यह लगातार पांचवां दिन है जब भारत ने पाकिस्तानी उकसावे पर मुंहतोड़ प्रतिक्रिया दी है।

पीएम मोदी से मिले संघ प्रमुख मोहन भागवत

संघ प्रमुख मोहन भागवत पीएम मोदी से मिलने के लिए प्रधानमंत्री आवास पहुंचे हैं. तीनों सेना के प्रमुखों के साथ बैठक खत्म होते ही संघ प्रमुख पीएम आवास पहुंचे हैं. मोहन भागवत के साथ कुछ अन्य पदाधिकारी भी पीएमओ पहुंचे और कई मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई।

आतंकवाद को कुचलना हमारा राष्ट्रीय संकल्प

पीएम आवास पर बैठक में पीएम के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, NSA, CDS और तीनों सेनाओं के प्रमुख मौजूद रहे। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को आतंकवाद से निपटने के लिए तीनों सेनाओं को खुली छूट दे दी। पीएम ने कहा, आतंकवाद को करारा झटका देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। हमें भारतीय सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा विश्वास है। आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का तरीका, लक्ष्य और समय सेना तय करे।

केंद्रीय गृह सचिव ने की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता

इससे पहले आज केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने भी एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें तीन अर्धसैनिक बलों के प्रमुख और दो अन्य सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। हालांकि बैठक के एजेंडे पर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई।

नई ट्रांसफर पॉलिसी को मिली मंजूरी मप्र में 1 से 30 मई तक होंगे तबादले

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में भोपाल में कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें राज्य के किसानों, कर्मचारियों और ग्रीन एनर्जी से जुड़े कई अहम मुद्दों पर फैसले लिए गए। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि कैबिनेट ने नई तबादला नीति को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत अब विभिन्न विभाग अपनी स्वयं की तबादला नीति बना सकेंगे, लेकिन इसकी जानकारी सामान्य प्रशासन विभाग को देना अनिवार्य होगा। नई नीति के अनुसार तबादले 1 मई से 30 मई के बीच किए जा सकेंगे। यह प्रक्रिया ई-ऑफिस प्रणाली के तहत होगी। तबादले स्वेच्छा और प्रशासकीय आधार पर हो सकेंगे। पदों की संख्या के अनुसार तबादले की अधिकतम सीमा तय की गई है। तबादला नीति के अनुसार 200 पद तक 20 प्रतिशत, 201 से 1000 पद तक 15 प्रतिशत, 1000 से 2000 पद तक 10 प्रतिशत और 2000 से अधिक तक 5 प्रतिशत पद है।

कैबिनेट ने चंबल क्षेत्र में 3000 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क की स्थापना को मंजूरी दी है। यह प्रोजेक्ट मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की साझेदारी में बनेगा। दोनों राज्य इस प्लांट से अपनी आवश्यकता के अनुसार बिजली प्राप्त कर सकेंगे।

पराली जलाई तो नहीं मिलेगी किसान सम्मान निधि

राज्य सरकार ने पराली जलाने की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। पराली जलाने वाले किसानों की एक वर्ष की सम्मान निधि रोकी जाएगी। ऐसे किसानों के अनाज की सरकारी खरीदी भी एक वर्ष के लिए बंद कर दी जाएगी।

महंगाई भते में 5 प्रतिशत बढ़ोतरी

राज्य सरकार ने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। इसके साथ ही मध्यप्रदेश के कर्मचारियों को अब केंद्र सरकार के समान 55प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा।

एकीकृत पेंशन प्रणाली के लिए समिति गठित

कैबिनेट ने एकीकृत पेंशन व्यवस्था पर विचार करने के लिए 6 सदस्यीय समिति के गठन को मंजूरी दी है। यह समिति सरकार को इस संबंध में सुझाव और सिफारिशें देगी

एमपी देश का पहला राज्य बना

एआई आधारित रियल-टाइम फॉरेस्ट अलर्ट सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट शुरू

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जहां एआई आधारित रियल-टाइम फॉरेस्ट अलर्ट सिस्टम को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया है। इस सिस्टम की मदद से वन विभाग अब जंगलों में अवैध कब्जा, पेड़ों की कटाई, भूमि के गलत इस्तेमाल वन क्षरण जैसी गतिविधियों की सीधे निगरानी कर पाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह अत्याधुनिक प्रणाली सैटेलाइट इमेज, मोबाइल फीडबैक और मशीन लर्निंग के जरिए काम करती है और इसे राज्य के पांच संवेदनशील वन मंडलों-शिवपुरी, गुना, विदिशा, बुरहानपुर और खंडवा में पायलट रूप में लागू किया गया है। इन क्षेत्रों में हाल के वर्षों में कई बार अतिक्रमण और पेड़ कटाई की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इस योजना को मुख्य वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव और अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (आईटी) बीएस अन्निगेरी के नेतृत्व और संस्थागत समर्थन से लागू किया गया है।

कैसे काम करता है एआई फॉरेस्ट अलर्ट सिस्टम

सिस्टम Google Earth Engine पर आधारित है जो मल्टी-टेम्पोरल सेटेलाइट डेटा का विश्लेषण करता है। इसमें तीन अलग-अलग तारीखों की सैटेलाइट इमेज को मिलाकर फसल, बंजर भूमि, निर्माण आदि में बदलाव की पहचान की जाती है। हर संभावित बदलाव की जानकारी मोबाइल ऐप के जरिए फील्ड स्टाफ को भेजी जाती है, ताकि वे मौके पर जाकर पुष्टि कर सकें।

मुख्यमंत्री यादव बोले- लीप पोर्टल की लॉन्चिंग उद्यमियों के लिए क्रांतिकारी

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लीप पोर्टल की लॉन्चिंग देश और प्रदेश के उद्यमियों के लिए एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध होगी। भोपाल के ग्लोबल स्किल सेंटर में मंगलवार को लघु उद्योग भारती का 32वां स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने वर्चुअली संदेश दिया। इस मौके पर एमएसएमई विकास नीति 2025 पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में बताया गया कि इस नीति में पहली बार सर्विस सेंटर्स को शामिल किया गया है। साथ ही, नीति में

कई बदलाव किए गए हैं ताकि प्रदेश में नए उद्योगों को बढ़ावा मिल सके। इस नई नीति के तहत निवेशकों को जमीन, टैक्स और बिजली जैसी सुविधाओं पर भारी रियायतें प्रदान की जाएंगी।

अदालतें मध्यस्थ फैसलों में बदलाव कर सकती हैं या नहीं? सुप्रीम कोर्ट आज सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ यह तय करने के लिए आज फैसला सुनाएगी कि क्या अदालतें 1996 के मध्यस्थता और सुलह कानून के तहत मध्यस्थ फैसलों में संशोधन कर सकती हैं या नहीं। इस पीठ में सीजेआई संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति संजय कुमार, न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह शामिल हैं। पीठ ने 19 फरवरी को इस पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। इस फैसले का असर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ फैसलों पर पड़ सकता है। 13 फरवरी को अंतिम सुनवाई शुरू हुई थी, जिसे इससे पहले 23 जनवरी को तीन जजों की पीठ ने बड़ी पीठ को भेजा था।

देखते ही देखते आग का गोला बना ट्रक

मैहर। मध्यप्रदेश के मैहर में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक चलते ट्रक में देखते ही देखते ही आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस घटना में चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली और स्थानीय लोगों की मदद से दमकल टीम को सूचना देकर आग पर काबू पाया गया। मिली जानकारी के मुताबिक, जिस ट्रक में आग लगी वह ट्रक रीवा से कटनी की ओर जा रहा था। तभी मैहर के नेशनल हाइवे-30 पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पास शॉर्ट सर्किट के चलते ट्रक में अचानक से आग लग गई। आग लगने से ट्रक का आगे का हिस्सा पूरी तरह से जलकर खाक हो गया।

बाबा साहेब ने समाज को समानता के साथ जीवन जीने और नई उड़ान भरने का दिया अवसर : वसुंधरा राजे

डॉ. अंबेडकर केवल दलितों के ही नहीं सभी वर्गों के मसीहा : मुख्यमंत्री

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष एवं भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व बहुत महान और विराट था। वे सामाजिक एकता के प्रबल पक्षधर थे। डॉ. अंबेडकर केवल दलितों के ही नहीं, सभी वर्गों के मसीहा हैं। डॉ. अंबेडकर को आगे बढ़ाने में ग्वालियर के राजा जीवाजी राव सिंधिया सहित बडौदा के महाराजा गायकवाड़ का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। बाबा साहेब को अंबेडकर नाम उनके गुरू ने दिया था। जिसका उन्होंने जीवन पर्यंत सम्मान किया और उसे शिखर पर पहुंचाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को रवीन्द्र नाट्य गृह इन्दौर में डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान की जिला

संगोष्ठी को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सहित नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार, पूर्व राज्यसभा सदस्य नारायण सिंह केसरी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायकगण महेन्द्र हार्डिया, रमेश मैंदोला, श्रीमती मालिनी गौड़, पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे, सफाई कामगार आयोग के अध्यक्ष प्रताप करोसिया, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष सावन सोनकर, सुमित मिश्र, राघवेन्द्र गौतम तथा डॉ. निशांत खरे विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का काम केन्द्र और राज्य शासन कर रही है। बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर ने जन्म लिया, जिस स्थान पर जहाँ पर शिक्षा पाई तथा उनसे जुड़े अन्य सभी महत्वपूर्ण स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करने का काम सरकार ने किया है।

स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती का कार्य शीघ्रता से करें: डिप्टी सीएम शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती का कार्य एक निश्चित समय-सीमा का निर्धारण कर शीघ्रता से पूरा किया जाए। उन्होंने वर्तमान में चल रही भर्ती प्रक्रिया की अद्यतन जानकारी भी प्राप्त की। शुक्ल ने मंगलवार को मंत्रालय में यह निर्देश स्वास्थ्य, सामान्य प्रशासन विभाग और कर्मचारी चयन मण्डल के अधिकारियों की बैठक में दिये।

नीमच में डोडाचूरा की बड़ी खेप जब्त, पुलिस को लावारिस ट्रक से मिला मादक पदार्थ

नीमच ■ निसं

नीमच जिले के मनासा में पुलिस ने एक लावारिस ट्रक से 16 क्विंटल 40 किलो डोडाचूरा जब्त किया। ट्रक में 81 कट्टों में मादक पदार्थ भरा था। तस्कर ट्रक छोड़कर फरार हो गए। एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अज्ञात चालक की तलाश जारी है। नीमच जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मनासा पुलिस ने बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात करीब दो बजे एक लावारिस ट्रक से 16 क्विंटल 40 किलो 250 ग्राम डोडाचूरा जब्त किया है। इस जब्ती की कुल बाजार कीमत करीब 35 लाख रुपए आंकी गई है।

मनासा थाना प्रभारी शिव रघुवंशी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हासपुर फंटे से एक ट्रक मादक पदार्थ लेकर गुजरने वाला है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम हासपुर फंटे पर पहुंची, जहां एक ट्रक संदिग्ध अवस्था में खड़ा मिला। ट्रक पर तिरपाल ढकी हुई थी और

आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। जब पुलिस ने ट्रक की तलाशी ली तो उसमें 81 प्लास्टिक के कट्टे मिले, जिनमें डोडाचूरा भरा हुआ था।

यह मादक पदार्थ एक सुनियोजित तस्करी का हिस्सा बताया जा रहा है। पुलिस को आशंका है कि तस्करों को पुलिस की गतिविधियों की भनक पहले ही लग गई थी, इसी कारण वे ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। जब्त ट्रक का नंबर एमपी 14 एचसी 3888 है। पुलिस अब ट्रक मालिक की पहचान कर रही है और अज्ञात चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

शादी भी नहीं हुई, कर्ज में डूबे गरीब, बाल विवाह रुकवाने के बाद प्रशासन दिखा रहा पीठ

इंदौर ■ निसं

इंदौर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाहों को रोका गया, लेकिन जिन गरीब परिवारों ने कर्ज लेकर शादी की बुकिंग की थी, उन्हें अब तक पैसे नहीं मिले। प्रशासन ने सेवा प्रदाताओं को नोटिस तो दिए, पर परिवार अब भी दर-दर भटक रहे हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने बाल विवाह रोकने में मुस्तैदी दिखाई और कई परिवारों के बच्चों का विवाह रुकवा दिया। परिवारों को यह समझाइश दी गई कि वे बच्चों के बालिग होने पर उनका विवाह करें

और उनके द्वारा विवाह के लिए जो भी बुकिंग करवाई गई है वह सभी राशि प्रशासन के द्वारा वापस करवाई जाएगी। इनमें घोड़ी, बग्घी, टेंटवाले, भोजन वाले शामिल हैं। अब आश्वासन देने वाले नदारद हो गए हैं और पैसे लेने वाले गरीब परिवार चक्कर लगा रहे हैं। कई परिवारों ने कर्ज लेकर शादी की तैयारी की थी लेकिन शादी भी नहीं हुई और वे कर्ज में भी डूब गए। इनमें से अनेक परिवार डर की वजह से सामने आने से भी बच रहे हैं।

अधिकारियों ने नोटिस देकर पैसे वापस देने को कहा

प्रशासन की सख्ती और तय नियमों के आधार पर बाल विवाह निरोधी उड़नदस्ता छापामार कार्रवाई कर बाल विवाह तो रोक रहा है, लेकिन उनकी यह कार्रवाई गरीब परिवारों के लिए गले की हड्डी बन रहा है। विभागीय अधिकारियों ने शादी में खाने से लेकर टेंट वाले और घोड़-बग्घीवालों को पैसे लौटाने के नोटिस तो दे दिए, लेकिन प्री बुकिंग के पैसे अब तक परिवारजनों को नहीं मिल सके हैं।

बैंड, बारात और रसोइये को भी सजा का प्रावधान: शंकर कुमार का बगीचा निवासी उमराव पंवार की बेटी और बेटे के विवाह समारोह पर प्रशासन ने छापामार कार्रवाई करते हुए सेवाप्रदाताओं से पैसे वापस दिलाने का वादा भी किया था। उमराव पंवार बताते हैं कि पैसे तो मिले नहीं लेकिन उन्हें धक्के ही नसीब हो रहे हैं। ज्ञात हो कि बाल विवाह प्रतिशेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत सेवा देने वाले पंडित, मौलवी, घोड़ा, बग्घी, बैंड, मांगलिक भवन, रसोइये तक को सजा दिलाने का प्रावधान है, लेकिन विभाग ने उन्हें सिर्फ पैसे वापस करने का नोटिस थमाया है। अब तक किसी के भी खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है। ज्ञात हो कि 29 अप्रैल को राजू राठौर कुशवाह नगर इंदौर की पुत्री से उमराव पंवार के बेटे का विवाह तय किया गया था, लेकिन दोनों ही नाबालिग थे। इस पर दूल्हे ने एतराज लेते हुए विभाग से अपील की थी कि वे बुकिंग के रुपए वापस कराएं।

संक्षिप्त समाचार

महाराजा मानसिंह कॉलेज में नर्सिंग छात्रों का हंगामा

ग्वालियर। ग्वालियर में गुरुवार को महाराजा मानसिंह कॉलेज में नर्सिंग परीक्षार्थियों ने जमकर हंगामा मचाया। हंगामा इतना बढ़ा कि पुलिस बुलाना पड़ी। यहां जीएनएम के परीक्षार्थियों को जो पेपर दिया गया था, उसमें आधे सवाल जीएनएम और आधे एएनएम के थे। प्रिंट की गड़बड़ी के चलते ऐसा हुआ, जिस पर परीक्षार्थियों ने उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाकर हंगामा कर दिया। हालात बिगड़ते देख भारी पुलिस फोर्स भी मौके पर पहुंचा। इसके बाद हालात काबू में आए। छात्रों को आश्वासन दिया गया है कि उनका नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। ग्वालियर में महाराजा मानसिंह कॉलेज सहित अन्य सरकारी कॉलेजों में नर्सिंग परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। महाराजा मानसिंह कॉलेज में प्रबंधन की लापरवाही के चलते सत्र 2023-24 बैच के त्नहरूनर्सिंग परीक्षार्थियों का पेपर खराब हो गया। परीक्षार्थियों का आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन ने GNM का आधा औरANM का आधा पेपर प्रिंट करके दे दिया। कॉलेज के दो परीक्षा हॉल में ऐसा हुआ। जिससे 150 से ज्यादा परीक्षार्थी प्रभावित हुए।

7वीं की छात्रा से गैंगरेप, तीन दिन बंधक बनाया

जबलपुर। जबलपुर की एक नाबालिग को बंधक बनाकर उसके साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। मंडला के युवक ने पहले स्नैपचैट पर उससे दोस्ती की, फिर उसे कान्हा नेशनल पार्क घुमाने का कहकर मंडला बुलाया। यहां दोस्त के घर में तीन दिन बंधक बनाकर उसने और उसके दोस्त ने रेप किया। जैसे-तैसे जबलपुर पहुंची पीड़ित ने माता-पिता को सारी बात बताई। उसकी शिकायत पर बुधवार रात गढ़ा थाना पुलिस ने गैंग रेप का प्रकरण दर्ज किया है। जबलपुर पुलिस की एक टीम मंडला में डेरा डालकर आरोपियों की तलाश में जुटी है। 7वीं क्लास में पढ़ने वाली पीड़ित की 6 महीने पहले मंडला जिले के राजन से स्नैपचैट पर दोस्ती हुई। दोनों के बीच बातें होने लगीं। इसी बीच दोनों ने एक-दूसरे का मोबाइल नंबर ले लिया।

ड्रग्स-तस्करी मामले में तीन आरोपियों को 10 साल की सजा

हरदा। हरदा में एनडीपीएस एक्ट के तहत विशेष न्यायालय ने एमडी ड्रग्स की तस्करी के मामले में तीन आरोपियों को सजा सुनाई है। ग्राम भुन्नास के शिवम सिरोही, आनंद सिरोही और अमन जाट को 10-10 साल की सजा के साथ एक-एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। 20 दिसंबर 2023 को सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी। मुखबिर ने बताया कि अतरसमा पुलिया और कैदी ढाबा के पास कार में कुछ लोग मादक पदार्थ लेकर आ रहे हैं। पुलिस ने कार एमपी जेडए 1170 को रोककर तलाशी ली। कार के गेयर और हैंड ब्रेक के बीच से हरी पॉलीथिन में 204 ग्राम सफेद एमडी पाउडर बरामद हुआ। थाना हरदा के एसआई सुरेश राज और दिनेश रावत ने मामले की जांच की। जिला स्तरीय समिति ने इसे संगीन अपराध मानते हुए जघन्य प्रकरण की श्रेणी में रखा। न्यायालय में अभियोजन की ओर से जिला अभियोजन अधिकारी आशाराम रोहित और एडीपीओ विनोद कुमार अहिरवार ने पैरवी की।

पहली आंधी में उजड़ा शहर

निगम की लापरवाही से महिला की मौत, होर्डिंग और शेड गिरे

इंदौर ■ निसं

इंदौर में बुधवार को आई पहली तेज आंधी ने शहर की तैयारियों की पोल खोल दी। निगम द्वारा लगाए गए शेड और बड़े-बड़े विज्ञापन होर्डिंग गिरने से कई स्थानों पर अफरा-तफरी मच गई। सनावदिया की एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक युवक घायल हो गया।

इंदौर में बुधवार को आई आंधी ने पूरे शहर को हिलाकर रख दिया। कई जगह निगम के शेड गिरे और विज्ञापनों के होर्डिंग गिरने से कई जगह लोगों की जान पर बन आई। सनावदिया गांव की रहने वाली गीता बाई (58) की तेज हवा में होर्डिंग गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। होर्डिंग का एंगल सीधे उनके सिर में घुस गया, जिससे मौके पर ही उनकी जान चली गई। घटना उस समय हुई जब गीता बाई अपने भतीजे के साथ बाइक से इंदौर में रिश्तेदारों से मिलकर घर लौट रही थीं। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

रेवती रेंज का शेड भी उड़ गया: उद्यान और जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर के मुताबिक मामले की जांच करवा रहे हैं। करीब 100 से ज्यादा स्थानों पर पेड़ और उनके हिस्से गिरने की भी शिकायतें आई हैं। राठौर ने बताया कि तेज हवा-आंधी के चलते रेवती रेंज में बनाया शेड भी उड़ गया है।

पेड़ गिरने से भी एक युवक घायल: करीब 65 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलने के कारण शहर में दर्जनों स्थानों पर पेड़ गिर गए। तेज हवा से एरोड्रम इलाके में एक वाहन पर पेड़ गिर गया। इससे एक वाहन चालक को चोट आई।

शेड लगते वक्त उठे थे सवाल: नगर निगम ने चौराहों पर छांव के लिए जो शेड लगवाए थे इनका शहर के विशेषज्ञों ने भी विरोध किया था। आर्किटेक्ट अतुल शेठ ने कहा कि शहर में अधिकतर होर्डिंग, जो फ्लेक्स के बने हुए थे, वह उखड़ गए। मुझे लगता है कि इसको हमने चेतावनी के रूप में लेना चाहिए। यदि बड़ा अंघड़ आया तो शहर की क्या हालत होगी। हमें इन बातों का विशेष ध्यान रखना होगा...

1. फ्लेक्स, होर्डिंग का स्ट्रक्चर और डिजाइन सब्मिट करवाएं और स्ट्रक्चर इंजीनियर को किसी भी दुर्घटना के लिए जवाबदार ठहराएं।

निगम द्वारा लगाए विज्ञापन बोर्ड गिरे

शहर में तेज आंधी चलने से अनेक स्थानों पर विशालकाय होर्डिंग बोर्ड उखड़ गए। इन विज्ञापन के बोर्ड गिरने से कई जगह लोग बाल-बाल बचे। इसी तरह शहर के चौराहों पर तेज धूप से बचने के लिए लगाए गए टिन शेड भी तेज हवा से उखड़ गए। मौके पर निगम के रिमूवल अमले ने पहुंचकर इन टीन शेडों को हटाने की कार्रवाई की, ताकि कोई बड़ा हादसा नहीं हो।

2. भवनों की छत के ऊपर अधिकतर जगह टीन शेड बना दिए गए हैं। यह बगैर डिजाइन के बने हुए हैं और यह कभी भी बड़ी दुर्घटनाओं को निमंत्रण दे सकते हैं।

3. वैसे ही छत पर सोलर पैनल भी लगाए गए हैं। इसका भी स्ट्रक्चर ऑडिट रिपोर्ट सबमिट होनी चाहिए।

4. इंदौर के रेलवे लाइन के आसपास विज्ञापनों के लिए ऊंचे ऊंचे होर्डिंग लगाए गए हैं, वह भी शहर के लिए और इलेक्ट्रिकल रेलवे के लाइन के लिए, खतरनाक साबित हो सकते हैं।

नकली सोने का लॉकेट देकर बेईमानी से ले गए चार लाख

आईपीएल में चौकों छक्कों पर दांव लगाते अरेस्ट

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

शहर के समीपस्थ शोभापुर रोड पालीवाल गार्डन के पास एक सोने की दुकान से बदमाश धोखाधड़ी कर गए। उन्होंने नकली सोने के लॉकेट देकर बेईमानी से चार लाख रुपए ले गए । इसके साथ ही इधर पिपरिया थाना अंतर्गत गर्ल्स कॉलेज के पीछे एक युवक को आईपीएल मैच पर चौथे छक्के पर दांव लगाते हुए पुलिस ने अरेस्ट किया। उसके पास से नगदी और मोबाइल भी जब्त किए गए ।

पुलिस ने दोनों ही मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शोभापुर रोड पाली वाली गार्डन के पास फरियादी सागर दुदानी सिंधी कॉलोनी पचमढ़ी निवासी से अज्ञात बदमाश ने नकली सोने का लॉकेट दे दिया और 4 लाख ले गया। उसने धोखाधड़ी कर घटना को अंजाम दिया। इसको लेकर सागर ने

मामला दर्ज कराया अब पुलिस जांच कर रही है । आईपीएल मैच में चौकों और छक्कों पर अवैध सट्टा लगाते हुए साड़ियां निवासी आकाश को पुलिस ने पकड़ लिया। उसके पास से हिसाब किताब की पर्ची ओप्पो कंपनी का मोबाइल, सिम और नगदी जप्त करने की कार्रवाई की गई। आकाश गर्ल्स कॉलेज के पीछे आईपीएल मैच में चौके छक्के लगाकर अवैध सट्टा चलवा रहा था । अब पुलिस ने सट्टा एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरपीएफ पश्चिम मध्य रेल द्वारा डिजिटल सतर्कता रंगलाई

सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से चोरी गया मोबाइल फोन बरामद

जबलपुर ■ निसं

पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा और उनकी संपत्ति की सुरक्षा को लेकर लगातार नवाचारों को अपनाया जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल ने हाल ही में दूरसंचार विभाग के सहयोग से पूरे देश में सीईआईआर पोर्टल को लागू किया है। यह पोर्टल चोरी या खोए हुए मोबाइल फोन को आईएमईआई नंबर के माध्यम से ब्लॉक, ट्रैक व रिकवर करने में मदद करता है। इसका उद्देश्य मोबाइल चोरी रोकने के साथ-साथ ऐसे उपकरणों की अवैध बिक्री को नियंत्रित करना भी है। इसी क्रम में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) भोपाल मंडल की साइबर सेल ने पहली बार दूरसंचार विभाग के सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल के माध्यम से चोरी हुआ मोबाइल फोन सफलतापूर्वक ढूंढ़ निकाला और यात्री को लौटाकर एक सराहनीय पहल की है।

घटना का संक्षिप्त विवरण : 25 अप्रैल 2025 को शिकायतकर्ता श्री मुरु द्वारा इटारसी स्टेशन पर यात्रा के दौरान उनका मोबाइल चोरी होने की जानकारी रेल मदद पोर्टल पर दी। यात्री ने कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई, बावजूद इसके आरपीएफ साइबर सेल द्वारा शिकायत का निपटान किया गया।साइबर सेल, भोपाल ने निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए मोबाइल को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से ब्लॉक किया, ताकी वह उपयोग में नहीं लाया जा सके। दिनांक 26 अप्रैल को मोबाइल को भोपाल क्षेत्र में ट्रेस किया गया, और जांच में पता चला कि यह श्री प्रवीन नामक व्यक्ति के पास है।

संबंधित व्यक्ति को संपर्क कर मोबाइल निकटतम आरपीएफ पोस्ट पर जमा कराने के लिए कहा गया, और उन्होंने 30 अप्रैल को आरपीएफ पोस्ट - रानी कमलापति में मोबाइल जमा कर दिया। यह पहला मौका है जब भोपाल मंडल में सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से एक यात्री की खोई हुई संपत्ति को इतनी दक्षता और पारदर्शिता के साथ बरामद कर लौटाया गया है। इस पहल से यात्रियों के बीच भरोसा और रेलवे की छवि दोनों मजबूत होती है।

इस प्रयास के माध्यम से रेल यात्री अब रेल मदद, 139 हेल्पलाइन या आरपीएफ से सीधे संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। बिना एफआईआर के भी, सीईआईआर के ज़रिए मोबाइल की रिकवरी की जा सकती है। पश्चिम मध्य रेल की यह सफलता यह दर्शाती है कि अब डिजिटल ट्रैकिंग और तकनीकी दक्षता से लैस रेलवे प्रशासन यात्रियों को न केवल बेहतर सेवा दे रहा है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अक्षय दीक्षित का एक पैर ही गायब बताया बेटे की मौत कैसे हुई

पिता और पत्नी को क्या न्याय मिल पाएगा

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

11 जून 2023 को एक सड़क दुर्घटना में कांग्रेस नेता अक्षय दीक्षित का निधन हो गया था। स्वर्गीय अक्षय दीक्षित के पिता अरुण दीक्षित ने अपने पुत्र के न्याय के लिए आज एक प्रेस वार्ता की और बताया कि मैंने पूर्व में पुलिस अधीक्षक को भी एक 14 बिंदुओं पर जांच के लिए आवेदन दिया था, जिसे उन्होंने शिकायती आवेदन मान कर जांच की और आज तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। दुर्घटना वाले दिन कई षड्यंत्र की ओर इशारा करते हैं।

पूर्व में बयान में यह बताया गया था कि गाडी के सामने एक गाय सामने आ गई थी जैसे बचाने के लिए दुर्घटना हुई है लेकिन बाद में बयान में यह आया कि अक्षय दीक्षित नशे में था। जो कि बाद में बयान बदले गए हैं।

घटना वाले दिन दिनेश देहलवार रोहित शर्मा एवं अक्की जायसवाल को कोई चोट नहीं लगी जबकि मेरे पुत्र के सिर के पीछे चोट का निशान था और कहा गया कि गाड़ी पलटने से चोट लगी है जबकि गाड़ी में कहीं भी कोई खून के निशान नहीं है और अक्षय दुर्घटना के समय गाड़ी के दरवाजे के कांच से बाहर फिका गया तो उसके शरीर पर कांच लगने से चोट के निशान होना था। जबकि अक्षय की बॉडी गाड़ी से 50 फीट दूर मिली। दुर्घटना सिवनी मालवा जाते समय बताई गई तो दुर्घटना के बाद गाड़ी का नर्मदा पुरम की तरफ कैसे हुआ। श्री दीक्षित ने बताया कि रोहित शर्मा बाबई रोड स्थित जिंद बाबा के पास एक अस्पताल का निर्माण कर रहे थे जिसकी और उसने रोहित शर्मा की पत्नी के नाम साढ़े चार करोड रुपए भी बैंक से लोन कराया था और उक्त निर्माण दिन अस्पताल की तीन मंजिला बिल्डिंग भी बन चुकी थी और अक्षय को कहा गया था कि तुम पूरा मैनेजमेंट संभालोगे। या यह भी हो सकता है कि वह पार्टनरशिप डीड में अक्षय को उसकी पैसे की वजह से रास्ता से हटाया गया , जिससे कि अक्षय को पैसे नहीं देना पड़े। घटना को 2 वर्ष बीत गए लेकिन आज तक दिनेश देहलवार मेरे घर पर मेरे परिवार को संवेदना व्यक्त करने तक नहीं आए। अगर घटना के समय डॉक्टर दिनेश दहलवार किसी बाइक से लिफ्ट लेकर शहर नहीं आते और 100 नंबर डायल को फोन कर देते तो समय पर मेरे पुत्र को उपचार हेतु वाहन उपलब्ध हो जाता तो शायद वह आज हमारे बीच मौजूद होता। साथ ही घटना में रोहित शर्मा को भी कोई ज्यादा चोट नहीं लगी थी वह तो जानबूझकर पांडे नर्सिंग होम में एडमिट हुए थे।

3 मई से 9 मई तक विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति रहेगी बंद

नर्मदापुरम। प्रबंधक शहर जोन-1 म.प्र.म.क्षे.वि.वि.कं.लि. नर्मदापुरम ने बताया कि 03 मई से 09 मई 2025 तक 11 केव्ही लाईन का मेंटेनेंस किया जाना है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। बताया गया कि 03 मई 2025 को प्रात: 08:00 से दोपहर 12:00 बजे तक मंगलवारा सबस्टेशन के क्षेत्र अंतर्गत मंगलवारा सबस्टेशन क्षेत्र अंतर्गत जुमेराती, काली मंदिर, राजा मोहल्ला, बी.टी.आई., भीलपुरा, बसंत टाकीज, कोरी मोहल्ला, गुरुकुल एवं अन्य संबंधित क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। इसी तरह 05 मई 2025 को बालागंज सबस्टेशन अंतर्गत फूटा कुआं, राठौर मार्ग, बालागंज, रवि शंकर मार्केट, लेंडिया मैदान एवं अन्य संबंधित क्षेत्रों, 06 मई 2025 को हिलव्यूहोम सबस्टेशन अंतर्गत साई हेवन, साई ग्रीन सिटी, हिल व्यू हाम, साई सिटी, मारूती नगर, डबल फाटक, सीयाराम नगर, रेवा सिटी, ग्लोबल पार्क, बंगाली कालोनी एवं अन्य संबंधित क्षेत्र।

प्रदेश अध्यक्ष के आह्वान पर जिले के पत्रकार कलेक्टर ऑफिस पहुंचे

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई बैतूल ने अपर कलेक्टर को 21 सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन

बैतूल ■ निसं

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 1 मई के अवसर पर श्रमजीवी पत्रकारों की समस्याओं के संबंध मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला अध्यक्ष रंजीत सिहं के तत्वाधान में अपर कलेक्टर राजू श्रीवास्तव को 21 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। मध्यप्रेदश श्रमजीवी पत्रकार संघ प्रदेश के श्रमजीवी पत्रकारों का सबसे बड़ा और सबसे पुराना एक मात्र प्रतिनिधि संगठन है।

प्रदेशाध्यक्ष शलभ भदौरिया के आवाह्न पर बैतूल जिला इकाई ने श्रमजीवी पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन और रैली के माध्यम से सरकार तक अपनी मांगें अपर कलेक्टर के माध्यम से सरकार तक पहुंचने का कार्य किया है। हम श्रमजीवी पत्रकारों की भी अपनी समस्याएं हैं। इसलिए आवश्यक है कि सरकार उनपर न केवल - सहानुभूतिपूर्वक ध्यान दें, बल्कि उनका निराकरण भी करें, ताकि वे सहज रूप से अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत बनाने में शासन की मदद कर सकें। मुख्यमंत्री आपकी विशेष उपस्थिति (मुख्य आतिथ्य) में पिछले माह 26 व 27 मार्च 2025 को मुरैना में संपन्न संघ के 25 वां त्रिवार्षिक दो दिवसीय प्रांतीय महाधिवेशन में पत्रकार सुरक्षा कानून तत्काल लागू करने सहित 6 सूत्रीय मांगपत्र आपको दिया था! आपने मांगपत्र पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए शीघ्र ही इस दिशा में हमारे संघ के साथियों के साथ संबंधित अधिकारियों को बिठाकर चर्चा कर स्वीकृत करने का विश्वास दिलाया है। इस अवसर पर महाधिवेशन में मध्यप्रदेश की विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह तोमर भी उपस्थित थे। हमें विश्वास है कि 6 सूत्रीय मांगपत्र के साथ ही अन्य मांगों पर भी आप सहानुभूतिपूर्वक विचार कर उन्हें क्रियान्वित कराने की दिशा में प्रयत्न करेंगे।

यह है 21 सूत्रीय मांगे: पत्रकार सुरक्षा कानून तत्काल लागू करें,भोपाल के मालवीय नगर स्थित हमारे पत्रकार भवन को जिसे कमलनाथ की कांग्रेस सरकार ने हमसे बिना किसी सूचना के छीन लिया था। वह भूमि हमे वापस की जाये,(पत्रकार पेंशन) श्रद्धा निधि योजना में अधिमान्यता होने की शर्त हटाई जाये और उसे आजीवन देने का नियम बनाया जाए,श्रद्धानिधि प्राप्त श्रमजीवी पत्रकार की मृत्यु के बाद यह पेंशन राशि यह श्रद्धानिधि शासकीय कर्मचारियों की ही तरह उनकी विधवा को उनकी मृत्यु तक उपलब्ध कराई जाये,मध्यप्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में पत्रकार भवन के लिए नि:शुल्क भूमि उपलब्ध कराई जावे, टोल टेक्स से श्रमजीवी पत्रकारों को मुक्त करने के लिये मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के सदस्यता कार्ड को भी मान्यता दी जाये।

हरदा कलेक्टर ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

मरीजों को समय पर भोजन और साफ-सफाई के दिए निर्देश, निर्माणाधीन नए भवन का जायजा लिया

हरदा ■ निसं

हरदा के कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने गुरुवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। हरदा कलेक्टर बनने के बाद उनका जिला अस्पताल का यह पहला दौरा था। उन्होंने अस्पताल में निर्माणाधीन नए भवन का जायजा लिया। निर्माण एजेंसी को शेष कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सीएमएचओ डॉ. एचपी सिंह को कर्मचारियों और डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही अस्पताल की साफ-सफाई प्रतिदिन सुबह जल्दी शुरू करने के आदेश दिए।

ब्लड बैंक, नए ऑपरेशन थिएटर का जायजा लिया: निरीक्षण के दौरान उन्होंने ब्लड बैंक, पैथोलॉजी, नया ऑपरेशन थिएटर, प्रसूति गृह और पोषण पुनर्वास केंद्र का दौरा किया। नए ऑपरेशन थिएटर को जल्द चालू करने के निर्देश दिए। पोषण पुनर्वास केंद्र में बच्चों के डाइट चार्ट का निरीक्षण किया। ब्लड बैंक में उपलब्ध स्टॉक की जानकारी ली। कलेक्टर ने भर्ती मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण चाय, नाश्ता और भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मरीजों के परिजनों से बातचीत कर भोजन की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली।

संक्षिप्त समाचार

लव जिहाद के मामले को लेकर हिंदुवादी संगठन पहुंचे थाने की कड़ी कार्यवाही की मांग

भोपाल। देहात क्षेत्र के गुनगा थाना इलाके में बीते दिनो नाबालिग किशोरी से परिचित युवक द्वारा किये गये दुष्कर्म के मामले को लेकर हिंदुवादी संगठनो ने थाने पहुंचकर मामले में पुलिस से आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की। जानकारी के मुताबिक वन स्टाप सेंटर (सखी) द्वारा 17 साल 6 माह की नाबालिग किशोरी की कांउसिलिग की गई थी। जिसमें नाबालिग ने बताया की उसके मोहल्ले में रहने वाला आरोपी साहिल खॉन अपने पिता के साथ खेतों में काम करने जाता था। लॉकडाउन के दौरान किशोरी की उससे पहचान हो गई और बातचीत होने लगी। पीड़िता का आरोप है कि पहचान का फायदा उठाकर आरोपी ने दोस्ती कर उसके साथा दुष्कर्म किया और फिर शादी करने का दबाव बनाने लगा। जब पीड़िता ने उससे दुरियां बनाई तब आरोपी उसे परेशान कर धमकी देने लगा। मामले में गुनगा थाना पुलिस ने आरोपी साहिल के खिलाफ दुष्कर्म, पास्को एक्ट, एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य धाराओ के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना को लेकर गुरुवार को विश्व हिन्दु परिषद के कार्यकर्ताओ ने पुलिस अधिकारियो से भेंट कर लव जिहाद के इस मामले में आरोपी के खिलाफ जल्द से जल्द कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है।

घर की बालकनी से गिरी दो साल की मासूम ने दो दिन बाद तोड़ा दम

भोपाल। मिसरोद थाना इलाके में तीसरी मंजिल की बालकनी से सदिंग्ध हालत में गिरकर गंभीर रुप से घायल हुई दो साल चार महीने की मासूम बच्ची ने दो दिन चले इलाज के बाद एम्स हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार रॉयल पाम के पास इंद्रा नगर मल्टी में ईडब्ल्यूएस में थर्ड फ्लोर पर परिवार सहित रहने वाले राजेश राय मंडीदीप स्थित एक कोल्ड ड्रिंक कंपनी में में काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके परिवार में पत्नि सहित पांच साल का बेटा और दो साल चार महीने की बेटी शानवी राय थी। बीती 28 अप्रैल सोमवार को रात करीब 8 बजे शानवी फ्लैट की बालकनी में खेल रही थी। उस समय उसकी मॉ किचन में काम कर रही थी, खेलते समय अचानक शानवी बालकनी से तीस फीट की ऊंचाई से नीचे सीसी रोड पर गिर गई। उसे सिर सहित शरीर में गंभीर चोट आई थी। परिवार वाले शानवी को इलाज के लिये लेकर एम्स पहुंचे, वहां इलाज के दौरान बीती सुबह शानवी की मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनो को सौंपते हुए आगे की जॉच शुरु कर दी है।

बीमारी से तनाव में आई 75 साल की वृद्धा ने खाया जहरीला पदार्थ, हुई मौत

भोपाल। गुनगा इलाके में वृद्ध महिला की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। बताया गया है की वृद्धा को कई बीमारियो ने घेर रखा था, जिसके चलते वह काफी मानसिक तनाव में रहती थी। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरु कर दी है। पुलिस के मुताबिक थाना इलाके में स्थित ग्राम बुधौर में रहने वाली 75 साल की अजबी बाई पति राजाराम घरेलू महिला थी। उनका परिवार पेशे से खेती-किसानी करता हैं। अधिक उम्र होने के कारण अजबी बाई को कई बीमारियो ने घेर लिया था। हालांकि परिवार वाले उनका उपचार करा रहे थे, लेकिन अधिक आराम न मिलने के कारण वह घर पर ही रहते हुए अधिकतर समय दरवाजे पर ही लेटी रहती थी। बुधवार दोपहर उन्हें अचानक उल्टियां होने लगी और उनकी हालत खराब हो गई।

खाली जिलों में एक सप्ताह में होगी घोषणा

मप्र में कांग्रेस के आधे जिला अध्यक्षों की कुर्सी खतरे में

भोपाल ■ निसं

मप्र में कांग्रेस बड़े बदलाव की तैयारी में जुटी हुई है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार जिलाध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड खंगला जा रहा है। रिपोर्ट कार्ड ही उनका सियासी भविष्य तय करेगा। प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक 50 फीसदी जिलों में बदलाव होना तय है। वहीं नए की तलाश भी शुरू हो गई है। लेकिन कांग्रेस का पहला फोकस उन जिलों पर है जहां जिलाध्यक्ष की कुर्सी खाली है। बताया जा रहा है कि पार्टी इस महीने उन जिलों में अध्यक्षों की नियुक्ति कर देगी, जहां अध्यक्ष नहीं हैं। बता दें कि मप्र में कांग्रेस के अभी 80 संगठनात्मक जिला और 800 संगठनात्मक ब्लॉक अध्यक्ष के पद हैं। इनमें से 50 फीसदी जिला अध्यक्षों को बदलने की तैयारी है। कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष के लिए 60 वर्ष और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के लिए 45 साल की उम्र लगभग तय कर दी है।

मप्र कांग्रेस कमेटी द्वारा करीब दो महीने से जिला और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष की नए सिरे से नियुक्ति करने की कवायद की जा रही है। माना जा रहा था कि लगभग 50 फीसदी जिलों में कांग्रेस अपने जिलाध्यक्ष बदल देगी। लेकिन अब जानकारी निकलकर सामने आ रही है कि अभी केवल पांच जिलों में ही अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी। बाकी जिलों की घोषणा जून माह के बाद होगी। जिन पांच जिलों में घोषणा होगी, उनमें खंडवा के शहर और ग्रामीण, रतलाम ग्रामीण, कटनी और रायसेन जिला शामिल है।

जिलाध्यक्षों को बनाया जाएगा पावरफुल

दरअसल, अहमदाबाद अधिवेशन में जिलाध्यक्षों के मामले में अहम प्रस्ताव पारित हुआ था। इसके तहत उन्हें पावरफुल बनाया जाना है। यानी जिला स्तर के फैसले इनकी मर्जी से होंगे। चुनाव में उम्मीदवार तय करने में भी भूमिका होगी। प्रस्ताव को संपूर्ण नियमावली के साथ संगठनात्मक ढांचा मजबूत बनाने सभी प्रतिनिधियों के समक्ष रखा जाएगा। ऐसे में जिला स्तर पर फेरबदल तय है। जिलाध्यक्षों से लेकर ब्लॉकों में नए पदाधिकारी नियुक्त होंगे। ग्रामीण जिलाध्यक्ष भी बदलेंगे। जिले के संगठनात्मक स्तर पर कई बदलाव होंगे। ऐसे कार्यकर्ता जो लंबे समय से पार्टी के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं, उन्हें नई और अहम जिमेदारियां दी जाएंगी। युवा, उर्जावान लोगों को अवसर दिया जाएगा। शहर व जिले के लगभग सभी ब्लॉक में नए अध्यक्ष नियुक्त करने की तैयारी है। अप्रैल अंत या मई की शुरुआत में परिवर्तन हो सकता है। इसी तरह कांग्रेस अब राज्य सरकार पर और आक्रामक होगी। इसके लिए कार्यक्रम तैयार हो रहे हैं।

दिल्ली से नियुक्त होंगे ऑब्जर्वर

कांग्रेस के सूत्र बताते हैं कि गुजरात में जिस तरह जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया शुरू हुई है, मप्र में भी उसी पैटर्न पर जिला अध्यक्षों के नाम खोजे जाएंगे। मप्र के सभी 55 जिलों में एआईसीसी की ओर से हर जिले के लिए एक ऑब्जर्वर नियुक्त किया जा सकता है। एमपी कांग्रेस की ओर से भी ऑब्जर्वर जिला अध्यक्ष के नाम खोजने में मदद करेंगे। हर जिले में पार्टी अध्यक्ष चुनने के लिए पांच सदस्यों की समिति बनाई जाएगी। इसमें एक केंद्रीय और चार राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक शामिल होंगे। ये समितियां अपने-अपने जिले का दौरा करेंगी और जिलाध्यक्ष के चयन से पहले स्थानीय नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगी। गुजरात में पूरी प्रक्रिया 45 दिनों में पूरी हो जाएगी। मप्र कांग्रेस के संगठन प्रभारी संजय कामले ने बताया कि अहमदाबाद में कांग्रेस पार्टी के संगठन में एक बड़ा परिवर्तन आया है। नई व्यवस्था में पार्टी जिला अध्यक्षों के माध्यम से काम करना शुरू करेगी। गुजरात में इसका पायलेट प्रोजेक्ट चल रहा है। बहुत सारे ऑब्जर्वर वहां गए हैं।

भोपाल के विजयी विद्यार्थियों का पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

यूसीमास स्टेट लेवल कॉम्पिटीशन में कृष्णा, विवान और, याशिका खापरे विजेता

भोपाल ■ निसं

यूसीमास की 20वीं राज्य स्तरीय अबेकस एवं मेंटल अर्थमेटिक प्रतियोगिता 2025 में विजयी हुए भोपाल के विद्यार्थियों – कृष्णा गुप्ता, विवान गुप्ता और याशिका खापरे – का विराट पुरस्कार वितरण समारोह आज राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीआर), श्यामला हिल्स, भोपाल में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

समारोह के लिए बच्चों और उनके पालक सुबह 11 बजे से ही संस्थान में एकत्र होना शुरू हो गए थे। दोपहर 12 बजे जैसे ही पुरस्कार वितरण शुरू हुआ, तालियों की गूंज से पूरा सभागार गूंज उठा।

इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को उम्र के आधार पर तीन समूहों में विभाजित किया गया था। प्रत्येक समूह में 'मॉड्यूल चैंपियन', 'चैंपियन', 'फर्स्ट रनरअप', 'सेकंड रनरअप', 'थर्ड रनरअप', 'फोर्थ रनरअप', 'फिफ्थ रनरअप', 'मेरिट' और 'कोनसोलेशन' श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में कुल 3 चैंपियन, 8 फर्स्ट रनरअप, 6 सेकंड रनर अप, 7 थर्ड रनर अप, 8 फोर्थ रनर अप, 12 फिफ्थ रनर अप घोषित किए गए। इसके अतिरिक्त 150 विद्यार्थियों को मेरिट पुरस्कार और 385 विद्यार्थियों को कॉन्सोलेशन पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कुल 44 विद्यार्थियों को उनके ग्रुप और वर्ग के आधार पर 'विनर्स' घोषित किया गया, उन्हें ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र भेंट किए गए।

इस भव्य आयोजन में यूसीमास मध्यप्रदेश के डायरेक्टर नीरज गोयल मुख्य अतिथि के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहे। भोपाल के सभी यूसीमास सेंटर्स के फ्रेंचाइज़ी संचालक भी इस अवसर पर शामिल हुए।

भोपाल, ग्वालियर जैसे महानगरों के पास धधक रहे जंगल

मप्र में आग की चपेट में नेशनल पार्क, 4 टाइगर रिजर्व क्षेत्र में भी घुसी आग

भोपाल ■ निसं

प्रदेश पिछले एक महीने से लगातार जंगलों में आग की घटनाएं सामने आ रही हैं। अभी तक दो दर्जन से ज्यादा जिलों में वन क्षेत्र में आग की घटना हो चुकी है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर जैसे महानगरों से सटे जंगलों में अभी भी आग धधक रही है। विभाग के अनुमान के अनुसार करीब 1 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र आग की चपेट में आया है। खास बात यह है कि अभी तक जंगल की आग से 4 बाघ अभयारण्य क्षेत्र भी चपेट में आ चुके हैं। जिससे वन संपदा के अलावा वन्य जीवों के लिए भी खतरा बढ़ गया है।

प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से वनों में आग की सूचनाएं मार्च के आखिरी से आने लगीं थी, जो अब बढ़ गईं। जिन जिलों में घने जंगल है, वहां वनों में लगातार आग लग रही हैं। जंगल की इस आग के बीच आबादी क्षेत्र से सटे जंगल में हाईवे किनारे जंगल की आग को विभाग भी संदिग्ध मान रहा है। शिवपुरी में सतनबाड़ा रेंज क्षेत्र के जंगल में पिछले एक महीने से लगी आग पर विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने संज्ञान लेकर विशेष दल भेजा है। जबकि शहडोल के जैतपुर में पिछले दिनों से जंगलों की आग का जायजा लेन वन राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार खुद पहुंचे।

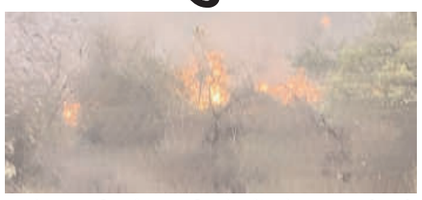

ये टाइगर रिजर्स आग की चपेट में: भोपाल: पिछले हफ्ते राजधानी भोपाल के कलियासोत बांध के ऊपर बाघ अभयारण्य क्षेत्र में कई एकड़ जंगल में आग लगी। इस क्षेत्र में माफिया भी सक्रिय है। वन विभाग ने आग बुझा ली, साथ ही आगजनी के पीछे माफिया का हाथ भी तलाश जा रहा है।

सीधी- संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान भी आग की चपेट में आ चुका है। पिछले दिनों बड़ी संख्या में आग लगी। अभी भी सीधी के जंगलों में आग लग रही है।

शिवपुरी- माधव राष्ट्रीय उद्यान को पिछले महीने ही बाघ अभयाण्य का दर्जा मिला है। सतनबाड़ा रेंज में पिछले एक महीने से अलग-अलग हिस्से में आग धधक रही है।

पुरानी रंजिश को लेकर अधेड़ पर चाकू से हमला

भोपाल। हनुमानगंज थाना इलाके में आरोपी युवक ने सब्जी का ठेला लगाने वाले अधेड़ पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार मंगलवारा में रहने वाले 55 वर्षीय शादाब नवबहार सब्जी मंडी में सब्जी का ठेला लगाते हैं। रात करीब 11 बजे आरोपी नदीम नामक युवक का उनके पास पहुंचा और किसी पुरानी बात को लेकर गाली-गलौज करने लगा। शादाब ने उसका विरोध करते हुए गाली देने से मना किया। इस पर आरोपी और भड़क गया और उसने अपने पास रखा चाकू निकालकर उन पर हमला कर दिया। आरोपी के वार से शादाब के हाथ और सीने में चोट आई है। बाद में थाने पहुंचे फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

सेवानिवृत्त 22 रेलकर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

भोपाल ■ निसं

भोपाल मंडल में हाल ही में रेल सेवा से निवृत्त हुए 22 रेल कर्मचारियों को मंडल कार्यालय में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती रश्मि दिवाकर की अध्यक्षता में सेवानिवृत्त कर्मियों को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अंतिम निपटान राशि का भुगतान एनईएफटी के माध्यम से किया गया। साथ ही, उन्हें गोल्ड मेडल, पेंशन भुगतान आदेश (आई-पास पोर्टल से), मानार्थ पास, परिचय पत्र एवं उदारीकृत चिकित्सा सुविधा कार्ड भी प्रदान किए गए।

इस अवसर पर जनसंपर्क अनुभाग, भोपाल मंडल में कार्यरत श्री इसराइल मोहम्मद (रफीक) को भी सम्मानित किया गया। उन्होंने 35 वर्षों से अधिक की अपनी सेवा के दौरान रेलवे की छवि निर्माण और मीडिया समन्वय में सराहनीय भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी (कल्याण), सहायक मंडल वित्त प्रबंधक सहित रेलवे यूनियन, संघ एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी, ऑल इंडिया रिटायर्ड रेलवेमेन्स फेडरेशन के प्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भोपाल मंडल अपने समर्पित कर्मचारियों की दीर्घकालिक सेवा को ससम्मान याद रखता है और उनके जीवन के नए चरण के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता है।.

देश के कोने कोने से पहुंचेंगे हृदय रोग विशेषज्ञ, नवीनतम तकनीकों और खोजों पर करेंगे विचार मंथन

म.प्र.- कार्डिओलॉजिकल सोसाइटी की वार्षिक कांफ्रेंस जबलपुर में

भोपाल ■ निसं

मप्र - कार्डिओलॉजिकल सोसाइटी की वार्षिक कांफ्रेंस (MPCSICON 2025) जबलपुर में 3 व 4 मई 2025 को आई टी सी होटल वेलकम में आयोजित की जा रही है। कांफ्रेंस का आयोजन अकादमी ऑफ़ कार्डियक साइंसेज (ऐसीएस) जबलपुर के द्वारा किया जा रहा है। आयोजक ऐसीएस जबलपुर के अध्यक्ष डॉ सुहेल सिद्दीकी और सचिव डॉ दिलीप तिवारी ने बताया की इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे अनुसन्धान और नई तकनीकों पर विचार विमर्श और शैक्षणिक विकास है जिससे की मध्य प्रदेश के हृदय रोग के मरीजों को लाभ होगा। इस कांफ्रेंस में देश और विदेश के दिग्गज हृदय रोग

विशेषज्ञ शामिल हो रहे है, जिनमें की अमेरिका के प्रतिष्ठित माउंट सिनाई हार्ट सेंटर न्यूयॉर्क से डॉ समीन शर्मा, मुंबई से डॉ आनंद राव और डॉ ब्रजेश कुमार कुंवर, दिल्ली से डॉ प्रवीण चंद्रा, डॉ अतुल माथुर, डॉ ऐस राधाकृष्णन, डॉ आर आर मंत्री, डॉ निशीथ चंद्रा और डॉ रजनीश कपूर , हैदराबाद से डॉ श्रथ रेड्डी, चेन्नई से डॉ सिवा कुमार, बंगलुरु से डॉ डी एस चड्ढा, लखनऊ से डॉ ऋषि सेठी, नागपुर से डॉ जसपाल अरनेजा, डॉ प्रशांत जगताप, इंदौर से डॉ सरिता राव, एवं भोपाल, ग्वालियर, रायपुर, बिलासपुर जैसे अन्य कई शहरों से वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ सम्मिलित हैं। इस आयोजन में हृदय रोगो से बचाव से लेकर हृदय की जटिल बीमारियों का बच्चो के हृदय की समस्या, अनियमित धड़कनो का अबलेशन से इलाज, लीडलेस पेसमेकर प्रत्यारोपण, हृदय की नली की दूरबीन से जांच, चर्चा का मुख्य विषय रहेंगे। पैनल डिस्कशन के माध्यम से हृदय रोगो के चुनौती पूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। शोधकर्ता व छात्रों के द्वारा पोस्टर व शोध पेपर भी प्रस्तुत किए जाएँगे। इस कांफ्रेंस के पूर्व 1 मई को प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से जानकारी साझा की गई जिसमें की जबलपुर शहर के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ उमेश अग्रवाल, डॉ अंकित अग्रवाल , डॉ पुष्पराज पटेल, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ एच पी ऐस चंदेल, डॉ नवीन शर्मा, डॉ के एल उमामहेश्वर, डॉ अनिमेष गुप्ता, डॉ विकास मिश्रा, डॉ अमित किनारे, डॉ आशीष तिवारी, डॉ शिशिर सोनी, डॉ अभिषेक गायकवाड़, डॉ एहतेशाम अंसारी, डॉ भाविक धीरावाणी और डॉ हर्षा रेड्डी उपस्थित रहे।

अज्ञात बाइक की टक्कर से अधेड़ घायल

सड़क पार कर रहे वृद्ध को ई-रिक्शा ने मारी टक्कर

भोपाल ■ निसं

हनुमानगंज इलाके में सड़क पार कर रहे एक अधेड़ व्यक्ति को ई-रिक्शा चालक ने टक्कर मार दी। एक्सीडेंट में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक हनुमानगंज स्थित एक लॉज में रहने वाले रामा गुप्ता (55) साइकिल पर समोसे बेचने का काम करते हैं।

रात करीब नौ बजे वह लॉज के पास ही सड़क पार कर जा रहे थे। उसी समय तेज रफ्तार से आ रहे बैटरी आटो ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल रामा गुप्ता को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया जहॉ उनका उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलने के बाद उनके परिवार वाले राजगढ़ से भोपाल पहुंचे इसके बाद थाने में टक्कर मारने वाले आटो चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई। उधर पिपलानी पुलिस ने बताया की शांति निकेतन गोविंदपुरा में रहने वाले भगवती प्रसाद पिछले दिनों सुबह करीब 10 बजे अपने दो पहिया वाहन से इंद्रपुरी से घर की ओर जा रहे थे। रास्ते में स्थित शनि मंदिर के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार बाइक चालक ने उनके वाहन को टक्कर मार दी।

एलएनसीटी के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने ग्रामीण भारत का अनुभव लिया

भोपाल ■ निसं

विश्व छात्र एवं युवा संगठन के भोपाल चैप्टर द्वारा आयोजित सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम भारत अनफिल्टर्ड-गांवों से विश्व तक में 20 देशों के 30 अंतरराष्ट्रीय छात्रों ने मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के हसुआ गांव में ग्रामीण भारत की जीवनशैली को नजदीक से महसूस किया। ये सभी छात्र फिलहाल LNCT विश्वविद्यालय, भोपाल में अध्ययनरत हैं। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और पगड़ी बांधने की रस्म के साथ हुई, जहां ग्रामीणों ने विदेशी छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। छात्रों ने गांव के घरों में जाकर भारतीय मेहमाननवाजी का अनुभव लिया और देसी भोजन का स्वाद चखा।

पिट्ठू खेल में दिखा गांव और दुनिया का मेल: गांव के बच्चों ने विदेशी मेहमानों को पारंपरिक खेल %पिट्ठू% खेलने का आमंत्रण दिया, जिसे छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ अपनाया। यह दृश्य सांस्कृतिक समावेशिता का जीवंत उदाहरण बना। इस अवसर पर एलएनसीटी विदेशी एडमिशन सेल के प्रभारी दमनप्रीत सिंह WOSY के महासचिव शुभम गोयल और ABVP की राष्ट्रीय सचिव शालिनी वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। अतिथियों ने इस आयोजन को भारतीय मूल्यों और वैश्विक युवा संवाद को जोड़ने वाली प्रभावशाली पहल बताया। इस अवसर पर एलएनसीटी ग्रुफ के सचिव डॉ अनुपम चौकसे एवं

WOSY मध्य भारत के राज्य संयोजक अनुज सिंह ने कहा,की इस पहल का उद्देश्य था कि विदेशी छात्र भारत को उसकी असली, अनफ़िल्टर्ड तस्वीर में देखें और समझें। गांव वालों और छात्रों का उत्साह यह दर्शाता है कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान से वैश्विक सद्भाव कितना गहरा हो सकता है। कार्यक्रम का समापन विदेशी छात्रों के आभार और ग्रामीणों की आत्मीयता भरी विदाई के साथ हुआ। सभी छात्रों ने इस अनुभव को जीवनभर याद रहने वाला बताया, जबकि ग्रामीणों ने अंतरराष्ट्रीय मेहमानों की मेजबानी को गर्व और सम्मान की बात मानी।

जल जीवन मिशन योजना में पारदर्शिता लाने की कवायद

निजी कंपनियों के इंजीनियरों को पास करनी होगी परीक्षा

भोपाल ■ निसं

मप्र में जल जीवन मिशन योजना में पारदर्शिता लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब प्राइवेट कंपनियों के माध्यम से काम करने वाले इंजीनियरों को परीक्षा पास करना अनिवार्य होगा। इसको लेकर जल निगम के एमडी केवीएस चौधरी ने एमपी ऑनलाइन से परीक्षा कराने का आग्रह किया है। दरसअल प्रदेश भर में जल जीवन मिशन के मॉनिटरिंग का काम निजी कंपनी द्वारा करवाया जा रहा है। इसमें करीब 2000 से ज्यादा इंजीनियर काम करते हैं। इन इंजीनियरों की भर्ती निजी कंपनियां करती हैं और

साक्षात्कार जल निगम के अधिकारी लेते हैं। लेकिन लगातार आरोप लगाते हैं कि अनस्किल्ड लोगों की भर्ती की जा रही है। इस तरह की शिकायत से उबरने के लिए एमडी ने नई रणनीति तैयार की है और एमपी ऑनलाइन से परीक्षा करने का निर्णय लिया है।

केवल विभाग से संबंधित ही पूछे जाएंगे सवाल

जल निगम के एमडी केवीएस चौधरी ने बताया कि यह परीक्षा विभाग में पारदर्शिता लाने के लिए की जा रही है। कई जगह से शिकायत आ रही है कि इंजीनियरों की भर्ती में लापरवाही की जा रही है। इसे देखते हुए एमपी ऑनलाइन से हमने आग्रह किया है कि एग्जाम कंडक्ट करें। चौधरी ने बताया कि इस एग्जाम में कोई बाहर के सवाल नहीं पूछे जाएंगे केवल विभाग और जल जीवन मिशन के काम से संबंधित ही सवाल पूछे जाएंगे। किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। जिसे काम आता होगा उसे बाहर नहीं किया जाएगा। और पहले से काम करने वाले इंजीनियरों की परीक्षा नहीं ली जाएगी। जो नई भर्ती की जाएगी उनका एग्जाम लिया जाएगा। चौधरी ने बताया कि जल निगम कई नए टेंडर कर रहा है, कई हो गए हैं उनमें जिन इंजीनियरों की भर्ती की जाएगी उनका एग्जाम लिया जाएगा।

दो हजार इंजीनियरों को नौकरी जाने का डर: जल निगम के एमडी द्वारा एमपी ऑनलाइन को भेजे गए लेटर के बाद प्रदेश भर में एसक्यूसी/टीपीआईए अभियंताओं में नौकरी जाने का डर भर गया है। दरअसल जो लेटर एमडी में एमपी ऑनलाइन को लिखा है उसमें स्पष्ट नहीं है कि परीक्षा किन अभियंताओं की होनी है, जो वर्तमान में काम कर रहे हैं उनकी या नई भर्ती की। एक इंजीनियर ने बातया कि इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि कार्यरत अभियंताओं को ही सेवा के दौरान परीक्षा देने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिससे यह संदेह होता है कि यह प्रक्रिया मात्र एक औपचारिकता बनाकर कर्मियों को हटाने के उद्देश्य से अपनाई गई है। साथ ही यह स्पष्ट है कि फील्ड का सारा कार्य, गुणवत्ता नियंत्रण, दस्तावेजीकरण, तकनीकी निरीक्षण और समयबद्ध रिपोर्टिंग सबकुछ एसक्यूसी/टीपीआईए द्वारा ही किया जाता है।

अनमोल वचन

जो प्राणिमात्र के लिये अत्यन्त हितकर हो, मै इसी को सत्य कहता हूँ।
वेदव्यास

जो अपने को बुद्धिमान समझता है वह सामान्यतः सबसे बड़ा मूर्ख होता है।
सुदर्शन

सम्पादकीय

जाति जनगणना अर्थात विपक्ष को मुद्दा विहीन करती मोदी सरकार

लोकतंत्र में सरकार के काम-काज पर पैनी नजर रखने का काम विपक्ष के पाले में आता है। सरकार की गलतियों और खामियों को उजागर करते हुए जनहितैषी मुद्दों को समय-समय पर उठाते रहने की जिम्मेदारी विपक्ष की होती है। ऐसा करते हुए विपक्ष जनसामान्य में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का काम करता है, ताकि चुनाव के दौरान इसी आधार पर वह वोट मांग सके। जो विपक्ष ऐसा करने में असफल रहता है, उसे जनता नकार देती है और फिर वो राजनीतिक गलियारे के हाशिये में पहुंच जाता है। विपक्ष को फेल साबित करने के लिए सरकारें भी साम, दाम, दंड-भेद का इस्तेमाल करती आई हैं। सियासी शतरंजी चालों से विपक्ष के मुद्दों को हथिया लेना और उन्हें मुद्दाविहन कर असहाय बना देना सरकारों का शगल रहा है। इसलिए ईमानदार विपक्ष को सदा से ही जनहितैषी मुद्दों की दरकार रहती आई है। ताकि वो सरकार को घेर सकें और अपनी मांगे मंगवा सकें। इसी आधार पर कांग्रेस पार्टी और अन्य कुछ विपक्षी दल काफी लंबे समय से देश में जाति जनगणना कराने की मांग उठाते रहे हैं। पिछले कुछ समय से तो कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रत्येक मंच से देश में जाति जनगणना कराए जाने वाले मुद्दे को प्रमुखता से उठाते चले आ रहे हैं। अब चूंकि इसी साल बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं, अतः इस प्रभावी मुद्दे को विशेष तौर पर सियासी धार दिए जाने का काम हो रहा था। विपक्ष की इस चाल को मोदी सरकार और भाजपा ने समय रहते भांप लिया और विपक्ष की मांग को एक तरह से मानकर उनके हाथ से इस अहम मुद्दे को भी छीन लिया है। यह अलग बात है कि अब इसका श्रेय लेने की होड़ भी मच गई है। यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने अप्रत्याशित तौर पर जाति जनगणना कराए जाने का फैसला लिया है। मतलब आम जनगणना जो होगी उसी में इसे जोड़ दिया जाएगा। इस प्रकार मोदी सरकार पहले तो इस मुद्दे से बचती रही, फिर विपक्ष के दबाव और राजनीतिक मजबूरियों के चलते यह निर्णय लिया। बावजूद इसके यह सवाल अनुत्तरित है कि जनगणना कब होगी और इसके आंकड़े सार्वजनिक किए जाएंगे या नहीं? यदि मोदी सरकार जाति जनगणना करा पाती है और इसके आंकड़े भी सार्वजनिक करते हुए जारी करती है तो स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह काम पहली बार होगा। यहां बताते चलें कि इससे पहले ऐतिहासिक तौर पर अंग्रेजी शासनकाल 1931 में जातिगत जनगणना करवाई गई थी। इसे आधार बनाकर बताया गया था कि देश में कुल 4,147 जातियां दर्ज की गईं। इस जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाकर मंडल कमीशन ने 1980 में पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ देने की रिपोर्ट पेश की थी। मंडल आयोग की इस रिपोर्ट को 1991 में वीपी सिंह सरकार ने लागू करने का काम किया। इसके बाद साल 2011 में भी जाति जनगणना करवाई गई, लेकिन तब इसके आंकड़े सरकार ने जारी नहीं किए। बहरहाल अब मोदी सरकार ने जातीय जनगणना कराए जाने का फैसला तो ले लिया, लेकिन संघ और भाजपा को यह डर अब भी सताए जा रहा है कि ऐसा करने से उनका बृहद हिंदुत्व का एजेंडा कहीं पीछे न छूट जाए। दरअसल 1931 की रिपोर्ट और मंडल कमीशन के रिसर्च से यह सामने आया था कि देश में पिछड़े वर्ग की आबादी 54 फीसद है। अब यदि जातीय जनगणना होती है तो यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है, ऐसे में राजनीतिक समीकरण बदल भी सकते हैं। इसके बाद हो सकता है कि संघ और भाजपा का हिंदुत्व वाला मुद्दा भी हाशिये पर चला जाए और विपक्ष इसका बेजा लाभ ले आगे निकल जाए। दिलचस्प बात तो यह है कि जातीय जनगणना को लेकर केंद्र सरकार कभी स्पष्टतः खुलकर विरोध में खड़ी थी। सुप्रीम कोर्ट में भी इसके खिलाफ दलीलें दी गईं थीं, लेकिन अब वही मोदी सरकार इसे अपनाने की तैयारी में दिख रही है। इसका कारण साफ है, कि बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष, खासकर आरजेडी और कांग्रेस, जातीय जनगणना को एक प्रमुख मुद्दा बना रहे थे। राहुल गांधी ने तो इसे पिछड़ों की पहचान और हक की लड़ाई का नाम दे दिया था। अब जब केंद्र सरकार ने खुद जातीय जनगणना कराने का संकेत दिया है, तो विपक्ष का यह बड़ा चुनावी हथियार अप्रभावी हो सकता है। यह राजनीतिक चाल न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश में सामाजिक समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो कभी विपक्ष के गठबंधन इंडिया के संयोजक बनने की कोशिश कर रहे थे, अब मोदी के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। इससे यह भी संकेत मिलता है कि बीजेपी नीतीश की नीतियों को अपनाकर बिहार में जातीय आधार पर मतदाताओं को साधने की कोशिश कर रही है। अब देखना यह होगा कि मोदी सरकार बिहार चुनाव से पहले विपक्ष को मुद्दा विहीन करने में सफल हो पाती है या नहीं। खासतौर पर तब जबकि कांग्रेस व अन्य प्रमुख विपक्षी दलों ने देश में संविधान बचाओ आंदोलन जो चला रखा है।

चिंतन-मनन

आत्मबल के लिए

एक गरीब बुढ़िया थी। अपनी झोपड़ी में अकेली रहती थी। उसके पास एक गाय थी। बस उसी के सहारे वह अपना जीवन निर्वाह करती थी। पर्युषण पर्व चल रहा था। वह अपनी झोपड़ी में बैठी-बैठी रोज देखती थी कि गांव के लोग बहुत ठाट-बाट से पूजा की थाल और प्रसाद आदि लेकर लिए मंदिर जा रहे हैं। उन्हें देख कर बुढ़िया सोचती थी, मैं इतनी ठाट से पूजा नहीं कर सकती, मेरे पास पर्याप्त साधन नहीं है। पूजा की इच्छा दब जाती। एक दिन उसने सोचा, यदि पूजा नहीं कर सकती तो आरती तो कर सकती हूं। बस, यह सोच कर वह उठी, अपनी गाय के दूध से निकाला हुआ घी लिया। पड़ोसी के एक कपास के खेत में से थोड़ी-सी रूई ले आई। एक मिट्टी के दीपक में आरती संजोकर चल दी मंदिर की ओर। अत्यंत श्रद्धा भक्ति से उसने आरती की, जिसके परिणाम स्वरूप आगामी भव में उसे अत्यंत ज्ञानी मुनिराज की पर्याय प्राप्त हुई। न कोई उपवास, न कोई व्रत, केवल पवित्र भावना, श्रद्धा और भक्ति से उसे यह प्राप्त हुआ। किसी शक्तिहीन व्रती प्राणी का उपहास मत कीजिए। संभव है, उसमें शक्ति की अल्पता हो पर भक्ति की प्रबलता हो। कोई छोटा बच्चा पवित्र भावना लेकर व्रत करना चाहता है, तो उसे रोकिए मत, करने दीजिए। उसकी भावनाओं को खंडित मत कीजिए, ठेस मत पहुंचाइए। बल्कि उसे व्रत के वास्तविक उद्देश्य को समझा कर उसके इरादे को और दृढ़ बनाइए। तप के मार्ग को सामान्य मत समझिए। कुछ लोग कहते हैं, तप में क्या रखा है? बेकार है? व्यर्थ है। ऐसा वे लोग कहते हैं जिनमें पुरुषार्थ का अभाव है। जो स्वयं पालन नहीं कर सके, उन्हें कहना चाहिए हम तो नहीं कर पाते, पर आप कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। आपका कल्याण हो। उसके प्रति कम से कम अपनी भावनाएं पवित्र रखनी चाहिए। तप की सबसे बड़ी पूंजी आत्मशक्ति की उत्पत्ति है। इस आत्मशक्ति के माध्यम से हमारे में विरोध में भी जीने का साहस उत्पन्न होता है।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित किया

आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धर्माचार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं।

ललित गर्ग

महापुरुषों की कीर्ति युग-युगों तक स्थापित रहती। उनका लोकहितकारी चिंतन, दर्शन एवं कर्तृत्व कालजयी होता है, सार्वभौमिक, सार्वदैशिक एवं सार्वकालिक होता है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता हैं। आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धर्माचार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं, उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करने का अर्थ है उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाना। उनके लिये इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय है। उन्हें हम धर्मक्रांति एवं समाज-क्रांति का सूत्रधार कह सकते हैं। अपने जन्मकाल से ही शिशु शंकराचार्य के मस्तक पर चक्र का चिन्ह, ललाट पर तीसरे नेत्र तथा कंधे पर त्रिशूल जैसी आकृति अंकित थी, इसी कारण आदि शंकराचार्य को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। भगवान शिव ने उन्हें साक्षात् दर्शन देकर अंध-विश्वास, रूढ़ियों, अज्ञानता एवं पाखण्ड के विरूद्ध जनजागृति का अभियान चलाने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। उन्होंने नए ढंग से हिंदू धर्म का प्रचार-प्रसार किया और लोगों को सनातन धर्म का सही एवं वास्तविक अर्थ समझाया। आदि शंकराचार्य के अनूठे प्रयासों से ही आज हिन्दू धर्म बचा हुआ है एवं सनातन धर्म परचम फहरा रहा है। शंकराचार्य ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवन में ही पूरे भारत की तीन बार पदयात्रा की और अपनी अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति और संगठन कौशल से उस समय के 72 संप्रदायों तथा 80 से अधिक राज्यों में बंटे इस देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में इस प्रकार बांधा कि यह शताब्दियों तक विदेशी आक्रमणकारियों से स्वयं को बचा सका और अखण्ड बना रहा। ऐसे दिव्य एवं अलौकिक संत पुरुष का जन्म धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आठवीं सदी में वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को केरल के कालड़ी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु और माता का नाम आर्यम्बा था। बहुत दिन

तक सपत्नीक शिव की आराधना करने के अनंतर शिवगुरु ने पुत्र-रत्न पाया था, अत: उसका नाम शंकर रखा। जब ये तीन ही वर्ष के थे तब इनके पिता का देहांत हो गया। ये बड़े ही मेधावी तथा प्रतिभाशाली थे। छह वर्ष की अवस्था में ही ये प्रकांड पंडित हो गए थे और आठ वर्ष की अवस्था में इन्होंने संन्यास ग्रहण किया था। इनके संन्यास ग्रहण करने के समय की कथा बड़ी विचित्र है। कहते हैं, माता एकमात्र पुत्र को संन्यासी बनने की आज्ञा नहीं दे रही थीं। तब एक दिन नदी किनारे एक मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर पकड़ लिया तब इस वक्त का फायदा उठाते हुए शंकराचार्यजी ने अपने माँ से कहा 'माँ मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दो, अन्यथा यह मगरमच्छ मुझे खा जायेगां।' इससे भयभीत होकर माता ने तुरंत इन्हें संन्यासी होने की आज्ञा प्रदान की; और आश्चर्य की बात है कि जैसे ही माता ने आज्ञा दी वैसे ही तुरन्त मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर छोड़ दिया। इन्होंने गोविन्द नाथ से संन्यास ग्रहण किया, जो आगे चलकर आदि गुरु शंकराचार्य कहलाए।

आदि शंकराचार्य ने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धांत और हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित करने का अनूठा एवं ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही उन्होंने अद्वैत वेदान्त के सिद्धान्त को प्राथमिकता से स्थापित किया। उन्होंने धर्म के नाम पर फैलाई जा रही तरह-तरह की भ्रांतियों को मिटाने का काम किया। सदियों तक पंडितों द्वारा लोगों को शास्त्रों के नाम पर जो गलत शिक्षा दी जा रही थी, उसके स्थान पर सही शिक्षा देने का कार्य आदि शंकराचार्य ने ही किया। आज शंकराचार्य को एक उपाधि के रूप में देखा जाता है, जो समय-समय पर एक योग्य व्यक्ति को सौंपी जाती है। आदि गुरु शंकराचार्य ने हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए चार अगल दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। भगवद्गीता, उपनिषदों और वेदांतसूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं। इन्होंने अनेक विधर्मियों को भी अपने धर्म में दीक्षित किया था। इन्होंने ब्रह्मसूत्रों की बड़ी ही विशद और रोचक व्याख्या की है।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दुओं को संगठित करने के लिए सबसे पहले दक्षिण दिशा में तुंगभद्रा नदी के तट पर श्रृंगेरी मठ की स्थापना की। यहां के देवता आदिवाराह, देवी शारदाम्बा, वेद यजुर्वेद और महावाक्य 'अहं ब्रह्मस्मि' है। सुरेश्वराचार्य को मठ का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद उन्होंने उत्तर दिशा में अलकनंदा नदी के तट पर बद्रिकाश्रम (बद्रीनाथ) के पास ज्योतिर्मठ की स्थापना की जिसके देवता श्रीमन्नारायण तथा देवी श्रीपूर्णगिरि हैं। यहां के संप्रदाय का नाम आनंदवार, वेद अर्थवेद तथा महावाक्य 'अयमात्मा ब्रह्म' है। मठ का अध्यक्ष तोटकाचार्य को बनाया। पश्चिम में उन्होंने द्वारकापुरी में शारदा मठ की स्थापना की जहां के देवता सिद्धेश्वर, देवी भद्रकाली, वेद, सामवेद और महावाक्य 'तत्वमसि' है। इस मठ का अध्यक्ष हस्तमानवाचार्य को बनाया। उधर पूर्व दिशा में जगन्नाथ मठ, जहां की देवी विशाला, वेद ऋग्वेद और महावाक्य 'प्रज्ञान ब्रह्म' है। यहां उन्होंने हस्तामलकाचार्य को मठ का अध्यक्ष बनाया। इस प्रकार शंकाराचार्य ने अपने सांगठनिक कौशल से संपूर्ण भारत को धर्म एवं संस्कृति के अटूट बंधन में बांधकर विभिन्न मत-मतांतरों के माध्यम से सामंजस्य स्थापित किया।

आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए, बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत, सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है। शंकराचार्य के दर्शन में सगुण ब्रह्म तथा निर्गुण ब्रह्म दोनों का हम दर्शन कर सकते हैं। निर्गुण ब्रह्म उनका निराकार ईश्वर है तथा सगुण ब्रह्म साकार ईश्वर है। जीव अज्ञान व्यष्टि की उपाधि से युक्त है। तत्त्वमसि तुम ही ब्रह्म हो; अहं ब्रह्मास्मि मैं ही ब्रह्म हूं; अयामात्मा ब्रह्म यह आत्मा ही ब्रह्म है; इन बृहदारण्यकोपनिषद् तथा छान्दोग्योपनिषद वाक्यों के द्वारा इस जीवात्मा को निराकार ब्रह्म से अभिन्न स्थापित करने का प्रयत्न शंकराचार्यजी ने किया है। ब्रह्म को जगत् के उत्पत्ति, स्थिति तथा प्रलय का निमित्त कारण बताया हैं।

आयुष्मान भारत योजना दिवस - स्वस्थ शुरुआत आशापूर्ण भविष्य

इन दिनों हम लोग जिस तरह की जीवनशैली जी रहे हैं, उसे देखकर ऐसा कहा जाए कि बीमारियां पैसे देखकर नहीं आती है, तो गलत नहीं होगा। प्रदूषण, खानपान, खाने में एडल्ट्रेशन का इस्तेमाल और फिजिकल वर्क आउट की कमी के कारण बीमारियां लोगों को कम उम्र में ही घेर लेती हैं। बीमारी किसी भी कारण से शरीर में आए, लेकिन जब बात इलाज की आती है, तो जेब खंगालनी ही पड़ती है।

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर कोविड -19 महामारी के बाद स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्तता, अनिवार्यता व विशेषता का पता चला है, कि इसके बिना किस तरह लाखों लोगों की मौत हो सकती है, इस महामारी ने पूरी दुनियाँ को हिला डाला था, पूर्ण विकसित देशों में तो शायद सबसे अधिक मौतें हुई थी, इसलिए आज हर देश स्वास्थ्य सेवाओं व वैज्ञानिक तकनीक के महत्व पर बल देता है व मध्यम गरीब व निम्न आय वर्ग वालों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए अनेक योजनाएं भी अक्सर अनेक देशों में लागू की जा रही है। इन दिनों हम लोग जिस तरह की जीवनशैली जी रहे हैं, उसे देखकर ऐसा कहा जाए कि बीमारियां पैसे देखकर नहीं आती है, तो गलत नहीं होगा। प्रदूषण, खानपान, खाने में एडल्ट्रेशन का इस्तेमाल और फिजिकल वर्क आउट की कमी के कारण बीमारियां लोगों को कम उम्र में ही घेर लेती हैं। बीमारी किसी भी कारण से शरीर में आए, लेकिन जब बात इलाज की आती है, तो जेब खंगालनी ही पड़ती है। भारत जैसे विकासशील देशों में आज भी हर साल हजारों लोगों की मौत सिर्फ पैसों के कारण इलाज न मिलने की वजह से हो रही है। देश के सभी वर्गों को इलाज मिल सके, इसके लिए भारत सरकार द्वारा 2018 में आयुष्माान भारत योजना का शुभारंभ किया गया था। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 30 अप्रैल 2025 को आयुष्मान भारत योजना दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है जिसमें वर्ष 2025 की थीम स्वस्थ्य शुरुआत आशापूर्ण भविष्य रखी गई है। चूँकि भारत में निम्न आय वर्ग को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा आयुष्मान भारत योजना एक बेहतरीन पहल है व आयुष्मान योजना का उद्देश्य 50 करोड़ से अधिक नागरिकों कोगुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्रदान करके सुरक्षा प्रदान करना है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आयुष्मान भारत योजना दिवस 30 अप्रैल 2025, स्वस्थ शुरुआत आशापूर्णा भविष्य। साथियों बात अगर हम आयुष्मान भारत योजना को जानने की करें तो,आयुष्मान भारत दिवस आयुष्मान भारत योजना के आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।यह योजना भारत सरकार के उन उद्देश्यों की पूर्ति को दर्शाती है जो संयुक्त राष्ट्र के तहत सतत विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं। भारत की मोदी सरकार ने लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच बनाने के लिए इसी उद्देश्य से इस योजना को शुरू किया है ताकि भारत की बड़ी आबादी को बेहतर स्वास्थ्य और उपचार मिल सके। इसमें गरीबी रेखा से नीचे की आबादी शामिल है जो आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं का खर्च उठाने में असमर्थ हैं और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ भी प्राप्त कर सकते हैं। आयुष्मान भारत दिवस आयुष्मान भारत योजना के इर्द-गिर्द घूमता है, इस दिन का मुख्य उद्देश्य भारत की एक बड़ी आबादी को स्वास्थ्य सेवा लाभ प्रदान करना है जो अपने लिए आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का खर्च नहीं उठा सकते हैं। आयुष्मान भारत से संबंधित अधिकारी हमारे देश के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए मैन्युअल रूप से विभिन्न योजनाओं और पहलों को लॉन्च करते हैं। यह दिन आयुष्मान भारत योजना के आदर्शों को बढ़ावा देता है।यह योजना भारत सरकार के उन उद्देश्यों की पूर्ति को दर्शाती है जो संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के तहत सतत विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं। सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के संबंध में संयुक्त राष्ट्र का मुख्य लक्ष्य किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना है। साथियों बात अगर हमआयुष्मान भारत योजना में 70 से अधिक बीमारियों का इलाज फ्री में करने की करें तो, केंद्र सरकार की इस योजना में आयुष्मान भारत योजना के तहत, लाभार्थी अस्पताल में भर्ती होने, डेकेयर प्रक्रियाओं और सर्जरी जैसी विभिन्न चिकित्सा सुविधाओं का लाभ बिना पैसे खर्च किए उठा सकते हैं। इस योजना में पहले से मौजूद बीमारियां और गंभीर बीमारियां भी शामिल हैं। सरकार द्वारा जारी किए डाटा के अनुसार आयुष्मान योजना में 1393 परिभाषित पैकेज, एक संभावित सर्जिकल पैकेज और 24 विशेषज्ञ क्षेत्र शामिल हैं।, इस योजना में कैंसर, हार्ट डिजीज, किडनी से जुड़ी बीमारियां, कोरोना, मोतियाबिंद, डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया, घुटना और नी रिप्लेसमेंट, जलने से चोट लगना, नवजात शिशु को हुए रोग, जन्मजात विकार, मोतियाबिंद, सर्जिकल डिलीवरी, और मलेरिया समेत बीमारियों का इलाज सरकार अस्पतालों में किया जा सकता है।इनबीमारियों के अलावा डबल वाल्वरिप्लेसमेंट पीडियाट्रिक सर्जरी, प्रोस्टेट कैंसर, कोरोनरी आर्टरी बाईपास, पल्मोनरी वाल्व रिप्लेसमेंट, नी और हिप रिप्लेसमेंट, स्कल बेस सर्जरी, टिश्यू एक्सपेंडर, रेडिएशन ओंकोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, एंजियोप्लास्टी जैसे सर्जरी को भी आयुष्मान भारत योजना में शामिल किया गया है। साथियों बात अगर हम दिल्ली में दिनांक 28 अप्रैल 2025 को उपरोक्त योजना की तर्ज पर आयुष्मान वय वंदन योजना की शुरुआत की करें तो, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी के 70 वर्ष या उससे ज्यादा

भारतीय जैन मिलन के गौरवशाली 59 वर्ष

विजय कुमार जैन

जब हम पवित्र उद्देश्य को लेकर कोई शुभ कार्य करने का संकल्प लेते हैं तो अवश्य ही उस कार्य में सफलता मिलती है। ऐसा ही प्रयास आज से 59 वर्ष पूर्व दिनांक 2 मई 1966 को गौरवशाली संस्था का देहरादून में जैन समाज के प्रबुद्ध श्रेष्ठी जनों द्वारा भारतीय जैन मिलन के नाम किया था। इस संस्था के गठन का मुख्य उद्देश्य जैन एकता स्थापित करना रहा है। क्योंकि देश की जैन समाज दिगम्बर, श्वैताम्वर, तेरहपंथी, बीसपंथी, स्थानक वासी आदि अनेक वर्गों एवं आमनाओं में बटी हुई है। हम स्मरण करते है उस शुभ दिन 2 मई 1966 को। उस दिन तक इलाहाबाद से लेकर देहरादून तक संस्था की केवल 15 शाखाएं ही कार्यरत थीं। जिन्हें देहरादून में आमंत्रित कर भारतीय जैन मिलन का नाम दिया गया। संस्था के प्रथम अध्यक्ष के रूप में दीपचंद जैन रायपुर एवं महामंत्री के.सी. जैन गर्ग इलाहाबाद, उपमंत्री गोपीचंद जैन देहरादून नियुक्त किये गये। जैन मिलन की पहली शाखा सन 1953 में यद्यपि इलाहाबाद में खुली थी पर इसे भारतीय जैन मिलन का विधिवत रूप 2 मई 1966 को देहरादून में ही मिला। भारतीय जैन मिलन के गठन के साथ ही मिलन के विकास और विस्तार की यात्रा जोर शोर से चली और 59 वर्ष की लम्बी विकास यात्रा के बाद आज संपूर्ण भारत वर्ष में लगभग 1450 शाखाएं हैं। संस्था में सुव्यवस्थित संचालन की दृष्टि से इसे 19 क्षेत्रों में विभाजित किया है। नारी शक्ति को सशक्त बनाने, सामाजिक, धार्मिक, पारमार्थिक गतिविधियों में सहभागी बनाने के पवित्र उद्देश्य से महिला जैन मिलन की लगभग 450 स्वतंत्र शाखाएं संचालित है। देश और समाज के भविष्य युवा जिनके कंधों पर कल समाज और देश की बागडोर होगी उन्हें भी सुसंस्कारित, दीक्षित और नेतृत्व निपुण बनाने के उद्देश्य से युवा जैन मिलन की लगभग 15 शाखाएं खोली गई है। मिलन तीन शब्दों से मिलकर बना है, मि- मित्रता, ल- लगन और न- नम्रता का प्रतीक है। सन 1968 में मिलन शाखाओं की गतिविधियों को प्रत्येक सदस्य तक पहुचाने की आवश्यकता अनुभव करते हुए मिलन के मुखपत्र भारतीय जैन मिलन समाचार पत्रिका को सर्वप्रथम देहरादून से प्रकाशित करने निर्णय लिया गया और तभी से आज तक यह पत्रिका निरंतर प्रगति करती हुई अपने वर्तमान आकर्षक स्वरूप में मेरठ से डिजीटल रूप से हर माह प्रकाशित हो रही है। भारतीय जैन मिलन की प्रगति यात्रा में सन 1980 में उल्लेखनीय सफलता मिली जब इसका विस्तार दक्षिण भारत में हुआ। जैन समाज के वरिष्ठ नेताओं और संतों ने इस अभियान को अपना पावन आशीर्वाद दिया।आज दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में सैंकड़ों जैन मिलन शाखाएं मिलन आन्दोलन को आगे बढ़ा रही है।सन 1985 में उत्तर भारत के ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेरठ के समीप सरधना में भारतीय जैन मिलन अस्पताल खोला गया। यह अस्पताल सफलतापूर्वक चल रहा है। 01 मार्च 1997 को भारतीय जैन मिलन फाउंडेशन का गठन किया। फाउंडेशन के माध्यम से शिक्षा, बीमारी,पारमार्थिक कार्यों, आपदा पीड़ितों की सहायता की जाती है। फाउंडेशन के वर्तमान अध्यक्ष अनिल जैन वर्ष बाले मेरठ ने बताया फाउंडेशन का फंड लगभग एक करोड़ दस लाख रुपये हो गया है। पिछले 28 वर्षों से भारतीय जैन मिलन के अन्तर्गत संचालित फाउंडेशन का कार्य सराहनीय है। भारतीय जैन की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर 11 अक्टूबर 2015 को स्वर्ण जयन्ती वर्ष में फिक्की आडीटोरियम दिल्ली में जैन समाज की चारों आमनाओं के साधु-सन्तों के पावन सानिध्य में जैन एकता सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।*

खास बात

सरकार गई पर आप नेताओं के बही-खाते चालू आहे

यह सच है कि दिल्ली से आम आदमी पार्टी की सरकार जा चुकी है और भाजपा की रेखा सरकार अपने हिसाब से सत्ता चला रही है, लेकिन इससे आप नेताओं की मुसीबतें कम नहीं हो रही हैं। पहले समझा जा रहा था कि आप की सरकार होने के कारण केंद्र इन्हें परेशान करने इस तरह की कार्रवाईयां करवा रही है, लेकिन अब खबर है कि भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने आप के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया व सत्येंद्र जैन के खिलाफ दिल्ली के सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर एफआईआर दर्ज की है। इन पर आरोप है कि करीब 2,000 करोड़ रुपये की लागत से 12,748 कक्षाओं के निर्माण में भारी अनियमितताएं हुईं। अब जबकि सिसोदिया पहले से ही आबकारी नीति मामले में सीबीआई और ईडी की जांच का सामना कर रहे हैं, जबकि जैन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में रह चुके हैं।

कनाडा चुनाव में भारतीय मूल का डंका बजा

तमाम उठा-पटक और आरोप-प्रत्यारोप के बीच कनाडा के आम चुनाव संपन्न हो गए। इसमें खास बात यह रही कि भारतीय मूल के उम्मीदवारों का खूब डंका बजा है। दरअसल कनाडा के हालिया संघीय चुनाव में 24 भारतीय मूल के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज कर नई संसद में सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। इससे पहले 2021 में यह संख्या 21 बताई गई है। भारतीय मूल के उम्मीदवारों में विजेता रहे अनीता आनंद, बर्दिश चागर और सुख धालीवाल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। एक बार और यह है कि अधिकतर विजेता पंजाब से संबंध रखते हैं। वहीं, न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता और खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह को करारी हार का सामना करना पड़ा है।

भारतवंशी कमला बिसेसर ने रच दिया इतिहास

त्रिनिदाद और टोबैगो में ऐतिहासिक सत्ता परिवर्तन के बीच भारतवंशी कमला परसाद-बिसेसर देश की नई प्रधानमंत्री बनी हैं। 73 वर्षीय कमला बिसेसर ने यूनाइटेड नेशनल कांग्रेस (यूएनसी) के नेतृत्व में चुनाव जीतकर एक दशक बाद सत्ता में वापसी की है। वे देश की पहली और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री भी हैं, जिन्होंने पहले भी 2010 से 2015 तक पद संभाला था। इस जीत के साथ उन्होंने सत्तारूढ़ पीपुल्स नेशनल मूवमेंट (पीएनएम) को सत्ता से बाहर कर इतिहास रचने जैसा काम करके दिखा दिया है। ऐसे में भारत सरकार का खुश होना लाजमी है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी और कहा कि वे दोनों देशों के ऐतिहासिक और पारिवारिक संबंधों को और सशक्त बनाने के लिए तत्पर हैं।

टीआरएफ की साजिश और सतर्क भारत

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत में गुस्से की लहर है, जिसे देखते हुए पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। ऐसे में दावा किया जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी लेने वाला आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) अब एक और हमले की साजिश रच रहा है। बहरहाल पाकिस्तान को तो भारत की संभावित कार्रवाई का डर सता रहा है, इसलिए वहां के मंत्री खुलेआम भारतीय हमले की आशंका जता रहे हैं। यही नहीं पाकिस्तान की शाहबाज शरीफ सरकार अमेरिका और चीन से हस्तक्षेप की गुहार लगा रही है। इन सब को देखते हुए भारत ने भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षाबलों को किसी तरह का निर्णय लेने और कार्रवाई करने की खुली छूट दे दी है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिमी तिथि पंचमी, शुक्रवासरे, आद्रा नक्षत्रे, शोभन योगे, वालव करणे, मिथुन की चंद्रमा, सर्वार्थ सिद्ध योगश्च 31/05 विद्यारंभ धान्य छेदन द्विरागमन वाहन क्रय विक्रय तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, सुन्दर, सुशील कोमल हृदय वाला, धनीमानी, सुशील तथा जिद्दी-हठी, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, उत्तम वृत्तिवाला, प्रवचन वक्ता, लेखक, कवि, वैरागी, संत-महात्मा, योगीभोगी, मठ-मंदिर निर्माणकर्ता, उत्तम वृत्ति वाला, देशभक्त होगा।

मेष राशि- साधन सम्पन्नता के योग फलप्रद हों, आर्थिक योजना अवश्य सफल हों।

वृष राशि- अपने किए पर पछताना पड़ेगा, मानसिक बेचैनी, क्लेश तथा अशांति होगी।

मिथुन राशि- सफलता के साधन प्राप्त हों, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, समय का ध्यान रखें।

कर्क राशि- दैनिक कार्यों में सफलता, स्त्री से सुख, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे।

सिंह राशि- स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास होगा, ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, ध्यान दें।

कन्या राशि- धन प्राप्ति, आशानुकूल सफलता में वृद्धि, बिगड़ी कार्य योजना अवश्य बनेगी।

तुला राशि- आशानुकूल सफलता का हर्ष, बिगड़े हुए कार्य अवश्य ही बनेंगे, कार्य होंगे।

वृश्चिक राशि- दैनिक समृद्धि के साधन बनेंगे, अधिकारियों से कार्य योजना का लाभ होगा।

धनु राशि- योजना पूर्ण होगी, बड़े-बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा, कार्य अवरोध बने।

मकर राशि- कार्य कुशलता से संतोष, स्थिति में सुधार तथा चिन्ता कम होगी, ध्यान दें।

कुंभ राशि- आर्थिक योजना पूर्ण होवे, शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी अवश्य होगी।

मीन राशि- दैनिक कार्यों में बाधा, चिन्ता, उद्विग्नता, धन का व्यय होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

2 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2025 वर्ष का 122 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 09.15 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 13.04 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 05.39 बजे तदनन्तर धृति 03.20 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 09.15 बजे तदनन्तर कौलव 20.28 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 23'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872332
जूलियन दिन 2460797.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद **तारीख** 03
विशेष स्कंद षष्ठी, शंकराचार्य जयंती, सूरदास जयंती, रामानुजाचार्य जयंती।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.13 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मिथुन	08.11 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.25 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.41 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.53 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.03 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.18 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.34 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.39 बजे से
राहुकाल	10.30 से 12.00 बजे तक	कुंभ	01.26 बजे से
		मीन	02.59 बजे से
		मेष	04.29 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

चारधाम यात्रा : 4300 से अधिक घोड़ा-खच्चर संचालक यात्रा मार्ग पर देंगे सेवा

देहरादून। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही बुधवार से पवित्र चारधाम यात्रा शुरु होने जा रही है। चारधाम यात्रा उत्तराखंड की आर्थिकी में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। यात्रा से होटल-लॉज संचालक, परिवहन कारोबारियों से लेकर घोड़े-खच्चर संचालकों तक की आजीविका चलती है। इसी क्रम में केदारनाथ और यमुनोत्री पैदल मार्ग पर इस बार 4300 से अधिक घोड़े-खच्चर संचालक अपनी सेवा देंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि श्रद्धालुओं की यात्रा, सुखद और आरामदायक हो, इसके लिए सड़क परिवहन से लेकर हेली और घोड़े खच्चरों की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पशुपालन विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि पूरी तरह स्वस्थ घोड़े-खच्चरों को ही यात्रा में भेजा जाए। साथ ही यात्रा मार्ग पर भी घोड़े-खच्चरों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। केदारनाथ धाम जाने के लिए तीर्थयात्रियों को गौरीकुंड से करीब 18 किमी लंबा पैदल रास्ता तय करना पड़ता है। इस कारण बड़ी संख्या में यात्री घोड़े-खच्चरों की सेवा लेते हैं। इस बार केदारनाथ धाम के लिए अब तक 2493 संचालकों ने पांच हजार से अधिक घोड़े-खच्चरों का पंजीकरण करवा लिया है। पशुपालन विभाग ने स्वास्थ्य परीक्षण के आधार पर घोड़े-खच्चरों के फिटनेस सर्टिफिकेट जारी किए हैं। विभाग की ओर से सोनप्रयाग, गौरीकुंड, लिंचौली और केदारनाथ में पशु चिकित्सालय बनाए जाने के साथ ही पांच डॉक्टर और सात पैरावेट भी नियुक्त किए गए हैं। पैदल मार्ग की 13 जगहों पर गरमपानी की भी व्यवस्था की गई है।

नुश्की में ऑयल टैंकर में लगी भीषण आग, चालक की मौत, 40 से अधिक घायल

नुश्की (बलूचिस्तान)। बलूचिस्तान के नुश्की जिले में सोमवार की रात एक ऑयल टैंकर में भीषण आग लगने के बाद हुए विस्फोट में चालक की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग झुलसने से घायल हो गए। इस घटना की पुष्टि नुश्की के डिप्टी कमिश्नर अमजद हुसैन ने की है। डिप्टी कमिश्नर के अनुसार, हादसे में गंभीर रूप से घायल 26 व्यक्तियों को बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती द्वारा उपलब्ध कराई गई एयर एंबुलेंस के जरिये क्वेटा स्थानांतरित किया गया है। पुलिस के मुताबिक, एक डिपो में खड़े तेल भरे टैंकर पर वेल्डिंग का काम चल रहा था, तभी अचानक उसमें आग लग गई। संभावित बड़े हादसे को टालने के प्रयास में टैंकर चालक जलते वाहन को टर्मिनल से बाहर खुले मैदान में ले गया, लेकिन वह खुद आग की चपेट में आ गया। चालक की मौके पर ही मौत हो गई। इसी दौरान आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और टैंकर में जोरदार विस्फोट हो गया, जिससे 40 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में एक डीएसपी और तीन अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, जो नागरिकों को घटनास्थल से हटाने के प्रयास में लगे थे। घटना में एक फायर ब्रिगेड वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

पश्चिम बंगाल में सुरक्षा एजेंसियों के हत्थे चढ़ा बांग्लादेशी नागरिक असल में निकला पाकिस्तानी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एक पाकिस्तानी नागरिक की गिरफ्तारी से खुफिया एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फर्जी पासपोर्ट रैकेट की जांच के दौरान जिस आजाद मल्लिक को गिरफ्तार किया था, अब उसे लेकर दावा किया है कि वह बांग्लादेशी नहीं, बल्कि पाकिस्तान का नागरिक है। ईडी की जांच में सामने आया है कि आजाद मल्लिक नाम और पहचान बदल कर भारत में फर्जी दस्तावेजों के जरिए पासपोर्ट बनाने का गोरखधंधा चला रखा था। कोलकाता के बिराटी के बांकरा इलाके में रहने वाले आजाद के ठिकाने से पाकिस्तान का ड्राइविंग लाइसेंस बरामद हुआ है, जिस पर उसका नाम आज़ाद हुसैन लिखा हुआ है। एजेंसी के मुताबिक, उसका असली नाम अहमद हुसैन आजाद उर्फ़ आजाद हुसैन है।

इजराइल ने कश्मीर हमले को बताया अस्वीकार्य, पाकिस्तान पर सख्त रुख

मुंबई। मध्य-पश्चिम भारत में इजराइल के महावाणिज्य दूत कोब्बी शोशनी ने हाल ही में कश्मीर में हुए आतंकी हमले को 'अस्वीकार्य' करार देते हुए कहा कि वहां से सामने आईं तस्वीरें अत्यंत दिल दहला देने वाली हैं। उन्होंने पाकिस्तान से कश्मीर में जारी आतंकी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण करने की अपील की। कोब्बी शोशनी ने कहा, भारत और इजराइल के बीच संबंध गहरे और अटूट हैं। यह केवल सरकारों या नेताओं तक सीमित नहीं, बल्कि दोनों देशों की जनता के बीच भी एक मजबूत बंधन है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, जो कुछ हमने कश्मीर में देखा, वह एक इंसान, एक दोस्त और भारत के भाई के तौर पर हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। तस्वीरें देखकर गहरा दुख हुआ।

फाटा पहुंची बाबा केदारनाथ की पंचमुखी डोली, पुष्प वर्षा से स्वागत

रुद्रप्रयाग/चमोली ■ एजेंसी

बाबा केदारनाथ की पंचमुखी चल उत्सव विग्रह डोली अपने दूसरे पड़ाव पर फाटा पहुंच गई है। बाबा की डोली सोमवार को ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से रवाना हुई थी।

मंगलवार को विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी में मंदिर के पुजारी शिव लिंग और केदारनाथ धाम के लिए नियुक्त पुजारी बागेश लिंग ने भगवान केदारनाथ और भगवान विश्वनाथ की पूजा-अर्चना करते हुए संयुक्त आरती उतारी और भोग लगाया। साथ ही अन्य धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया। सुबह 9 बजे बाबा केदार की चल उत्सव डोली ने अपने धाम केदारनाथ के लिए प्रस्थान किया। भक्तों के जयकारों और सेना की बैंड धुनों के बीच बाबा केदार की चल उत्सव डोली ने नाला, नारायणकोटी, मैखंडा में अपने भक्तों को दर्शन और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दिया।

इस दौरान भक्तों ने अपने आराध्य को मौसमी फूल-फल और भेंट अर्पित किया। दोपहर बाद 2.30 बजे डोली फाटा पहुंची, जहां पर स्थानीय लोगों ने फूल-मालाओं से बाबा केदार की डोली और मुख्य पुजारी बागेश लिंग का स्वागत किया। बुधवार को बाबा केदार की चल उत्सव विग्रह डोली फाटा से अपने धाम के लिए प्रस्थान करेगी और रामपुर, नयाल्सू, सीतापुर, सोनप्रयाग होते हुए अपने अंतिम रात्रि प्रवास गौरीकुंड पहुंचेगी, जहां गौरी माई से मिलन होगा। एक मई को बाबा केदार की डोली अपने धाम केदारनाथ पहुंचेगी। दो मई को सुबह 7 बजे शुभ लग्न पर केदारनाथ मंदिर के कपाट भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिये जाएंगे।

उधर, श्रीबदरीनाथ धाम के कपाट 4 मई को शुभ लग्न पर खोले जाएंगे। यहां कपाटोद्घाटन के लिए प्रशासन, पुलिस और श्रीबदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगी है। पुलिस द्वारा यात्रियों की सुरक्षा के लिए बदरीनाथ में थाना का संचालन शुरू कर दिया गया है।

श्रीबदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश चंद्र गौड़ ने बताया कि 2 मई को ज्योर्तिमठ से आदिगुरू शंकराचार्य की गद्दी और गरुड़ भगवान की मूर्ति बदरीनाथ धाम के लिए प्रस्थान करेगी। 3 मई की सुबह कुबेर जी, गरुड़, उद्धव की उत्सव डोली बदरीनाथ के लिए प्रस्थान करेगी। उन्होंने बताया कि कपाटोद्घाटन के लिए सभी तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं।

कांग्रेस के विवादित पोस्ट पर भाजपा हमलावर, कहा-

आतंकी हमले में पाकिस्तान का साथ दे रही कांग्रेस : भाटिया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाना बनाने वाले कांग्रेस के एक्स पर विवादित पोस्ट को लेकर उस पर निशाना साधा है। भाजपा ने कांग्रेस पर पाकिस्तान का साथ देने का आरोप लगाया है।

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान को संकेत दे रही है कि इस आतंकी हमले में वह पाकिस्तान के साथ खड़ी है, न कि अपने देश के साथ। यह कांग्रेस द्वारा किया गया कोई मासूम पोस्ट नहीं है। यह हमारे देश की अखंडता को कमजोर करने और प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाने की एक भयावह, जहरीली साजिश है। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि पहलगाम में आतंकी हमला हुआ। भाटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ी स्पष्टता से कहा कि आतंकियों को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा और उनके आकाओं को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि वो जीवन भर याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की पूरी शक्ति जिसमें प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व, हमारी वीर सेना की ताकत और 140 करोड़ भारतीयों की शक्ति, दुआएं और प्रार्थना शामिल है, वो आज एक लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे हैं।

भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि एक ऐसा भारतीय राजनीतिक दल भी है, जो हमारे बीच रहता है, लेकिन अगर उसे लश्कर-ए-पाकिस्तान कांग्रेस कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने दृढ़ता से कहा है कि आतंकियों का सफाया किया जाएगा और उन्हें समर्थन देने वाले देश को उसकी कल्पना से परे सजा दी जाएगी। इस मुद्दे पर पूरा देश एकजुट है। हालांकि, एक तथाकथित राष्ट्रीय पार्टी दुश्मन ताकतों के साथ गठबंधन करती दिख रही है। इसे लश्कर-ए-पाकिस्तान कांग्रेस कहना पूरी तरह से अनुचित नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी जो भारत के हर नागरिक के लिए सुरक्षा की चट्टान हैं, उस चट्टान को तोड़ने की आज कांग्रेस कोशिश कर रही है। कांग्रेस में बिना राहुल गांधी की सहमति के पत्ता तक नहीं हिलता। राहुल गांधी के कहने पर ही ऐसे पोस्ट किए जाते हैं।

भाटिया ने कहा कि पाकिस्तान और कांग्रेस की जुगलबंदी को लगता है कि वो भारतीय सरकार को कमजोर कर सकते हैं और हमारी सेना का मनोबल तोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सेना का मनोबल हिमालय से भी ऊंचा है। हमारी सरकार और हमारे देश का मनोबल चट्टान की तरह मजबूत है और किसी में भी इस समय इतना दम नहीं है कि वह देश का मनोबल तोड़ना तो दूर, कम भी कर सके।

उल्लेखनीय है कि पहलगाम हमले को लेकर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए सोमवार को एक विवादित पोस्टर जारी किया। इसमें प्रधानमंत्री के सिर और पैरों को गायब कर दिया गया है। साथ ही सिर की जगह पर बड़े अक्षरों में गायब लिखा हुआ है। यह पोस्टर एक्स पर कांग्रेस के आधिकारिक अकाउंट पर शेयर किया गया है। कांग्रेस ने पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, जिम्मेदारी के समय- गायब।

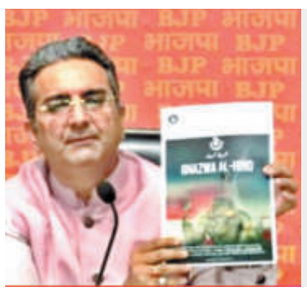

कांग्रेस देश को छोड़ मुस्लिम वोट बैंक साधने की कोशिश में जुटी

कांग्रेस की पोस्ट पर भाजपा नेता अमित मालवीय का पलटवार किया है। मंगलवार को भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्वीट करके कहा कि कांग्रेस ने सर तन से जुदा की छवि का इस्तेमाल करके कोई संदेह नहीं छोड़ा है। यह महज एक राजनीतिक बयान नहीं है; यह मुस्लिम वोट बैंक को साधने और प्रधानमंत्री के खिलाफ़ एक छिपी हुई उकसावेबाजी है। यह पहली बार नहीं है, जब कांग्रेस ने इस तरह की रणनीति अपनाई है। राहुल गांधी ने कई मौकों पर प्रधानमंत्री के खिलाफ़ हिंसा को उकसाया और उचित ठहराया है। फिर भी कांग्रेस कभी सफल नहीं होगी, क्योंकि प्रधानमंत्री को लाखों भारतीयों का प्यार और आशीर्वाद प्राप्त है। इसके विपरीत, कहावत के अनुसार अगर किसी की गर्दन कटी है, तो वह कांग्रेस है - जो अब बिना सिर के हाइड्रा में सिमट गई है, जो बिना दिशा के लड़खड़ा रही है।

अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस की विशेष सत्र की मांग पर कहा-संसद में चर्चा से ज्यादा जरूरी है पाकिस्तान को करारा जवाब देना

पहलगाम आतंकी हमले पर कांग्रेस की संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाने की मांग पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद अनुराग ठाकुर ने टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि आज संसद में चर्चा से ज्यादा ऐसे कदम उठाने की जरूरत है जिससे पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार हमेशा चर्चा में विश्वास रखती है। सही समय आने पर चर्चा कराने में कोई आपत्ति नहीं है। हम लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं और जब भी सदन में किसी विषय पर चर्चा की मांग की गई, हमने उस पर चर्चा की। चिराग ने कहा- मुंहतोड़ जवाब देने का समय : इस मसले पर बिहार की राजधानी पटना में केंद्रीयमंत्री चिराग पासवान ने भी टिप्पणी की है।

गाजियाबाद ननि पहले प्रमाणित ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड के जरिए जल प्रबंधन में अग्रणी भूमिका

नई दिल्ली ■ एजेंसी

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के तहत गाजियाबाद (उप्र) ने देश के पहले प्रमाणित ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड को सफलतापूर्वक जारी करके संधारणीय बुनियादी ढांचे और शहरी लचीलेपन को बढ़ावा देने में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। इससे अत्याधुनिक तृतीयक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (टीएसटीपी) के विकास के लिए 150 करोड़ जुटाए गए हैं।

आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि यह सिर्फ़ एक और बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं बल्कि एक गेम-चेंजर है, जो गाजियाबाद की अपने नागरिकों के लिए एक संधारणीय भविष्य बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। निधियों को एक उन्नत टीएसटीपी के विकास की दिशा में निर्देशित किया गया है, जो एक अत्याधुनिक सुविधा है। इसे अभूतपूर्व पैमाने पर अपशिष्ट जल का उपचार और पुनः उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड ने भारत के वित्तीय परिदृश्य में एक नया अध्याय लिखा, जो शहरी बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण के लिए एक संधारणीय मॉडल प्रदान करता है। केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के समर्थन से यह परियोजना सिर्फ़ एक जल उपचार सुविधा से कहीं अधिक है। यह भारत भर के भविष्य के शहरों के लिए वित्तीय अनुशासन को पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ जोड़ने का खाका है। इस पहल के केंद्र में तृतीयक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (टीएसटीपी) है, जो एक तकनीकी चमत्कार है, जो माइक्रोफिल्ट्रेशन, अल्ट्राफिल्ट्रेशन, नैनोफिल्ट्रेशन और रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) सहित उन्नत मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन तकनीकों का उपयोग करता है। ये अत्याधुनिक तकनीकें यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करती हैं कि उपचारित पानी उच्चतम मानकों को पूरा करता है, जिससे यह औद्योगिक प्रक्रियाओं में पुन उपयोग के लिए उपयुक्त हो जाता है। 40 एमएलडी की उपचार क्षमता के साथ टीएसटीपी एक विशाल 95 किलोमीटर पाइपलाइन नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, जो गाजियाबाद में 1,400 से अधिक औद्योगिक इकाइयों को उपचारित पानी पहुंचाता है।

ओलावृष्टि से प्रभावित मणिपुर को 153 करोड़ की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता मंजूर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) ने वर्ष 2024 के दौरान ओलावृष्टि से प्रभावित मणिपुर को 153.36 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है। राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) से यह सहायता राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) में उपलब्ध वर्ष के लिए प्रारंभिक शेष राशि के 50 प्रतिशत के समायोजन के अधीन है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारत सरकार प्राकृतिक आपदाओं और विपत्तियों के दौरान राज्य सरकारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। मंत्रालय के अनुसार, यह अतिरिक्त सहायता केंद्र द्वारा राज्यों को एसडीआरएफ में जारी की गई धनराशि के अतिरिक्त है, जो पहले से ही राज्यों के पास उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, केंद्र सरकार ने एसडीआरएफ के तहत 28 राज्यों को 20,264.40 करोड़ रुपये और एनडीआरएफ के तहत 19 राज्यों को 5,160.76 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष (एसडीएमएफ) से 19 राज्यों को 4984.25 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) से 8 राज्यों को 719.72 करोड़ रुपये भी जारी किए गए हैं।

इसी प्रकार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान अब तक केन्द्र सरकार द्वारा एसडीआरएफ के तहत 1 राज्य को 895.60 करोड़ रुपये तथा एनडीआरएफ के तहत 7 राज्यों को 929.633 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

बंगाल में सेना के जवान के घर पर लगा धमकी भरा पोस्टर, पुलिस जांच में जुटी

कोलकाता ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटना के बाद से देशभर में चिंता का माहौल है। पहलगाम आतंकी हमले में जहां 26 पर्यटकों की मौत हुई, वहीं इसी दौरान पश्चिम बंगाल के नदिया ज़िले के तेहट निवासी सेना के जवान झंटु अली शेख की भी शहादत हो चुकी है। इसी पृष्ठभूमि में अब हुगली ज़िले के एक सैनिक के घर पर धमकी भरा पोस्टर मिलने से सनसनी फैल गई है।

घटना हुगली ज़िले के धनियाखाली थाना अंतर्गत चैतन्यबाटी गांव की है। यहां के निवासी गौरव मुखोपाध्याय भारतीय सेना में दो वर्ष पूर्व भर्ती हुए थे और वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में तैनात हैं।

रविवार को गौरव के घर की दीवार पर पोस्टर चिपकाया गया जिसमें लिखा था- पाकिस्तान जिंदाबाद। गौरव का सिर चाहिए। बंगाल को पाकिस्तान बना देंगे। यही नहीं, अगले दिन यानी सोमवार को भी एक और वैसा ही पोस्टर उसी घर में खिड़की के ज़रिए फेंका गया।

घटना के बाद गौरव के पिता गौतम मुखोपाध्याय ने स्थानीय थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवाई। हुगली ग्रामीण पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से पता चला कि दो युवक स्कूटर से आए और पोस्टर चिपका कर चले गए। अब यह जांच का विषय है कि वे युवक कौन थे - क्या यह कोई शरारत थी या फिर इसके पीछे आतंकी मानसिकता या किसी गुट का हाथ है?

घटना की खबर मिलते ही स्थानीय विधायक असीमा पात्रा जवान के घर पहुंचीं और परिवार को भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि प्रशासन गंभीरता से जांच कर रहा है। जो कोई भी इस घटना के पीछे है, उसे जल्द पकड़कर कड़ी सज़ा दी जानी चाहिए।

पाकिस्तान का पानी रोक पंजाब के डैम भरे केंद्र सरकार : भगवंत मान

पंजाब ने भाखड़ा से आने वाले हरियाणा के पानी की सप्लाई घटाई

चंडीगढ़ ■ एजेंसी

पंजाब ने भाखड़ा के माध्यम से हरियाणा को दी जा रही पानी की सप्लाई को आधा कर दिया है। पंजाब ने कुल नौ हजार क्यूसेक में से पांच हजार क्यूसेक की कटौती कर दी है, जिससे हरियाणा के छह जिलों में पानी का गंभीर संकट पैदा होना शुरू हो गया है। आने वाले दिनों में यह संकट और गहरा हो सकता है।

भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड की निगरानी में पंजाब सरकार द्वारा हरियाणा व राजस्थान को हर साल पेयजल व सिंचाई के लिए पानी की सप्लाई दी जाती है। वाटर अलॉटमेंट का यह सीजन हर साल 21 मई से 21 मई तक की अवधि के लिए मान्य होता है। इस नहरी पानी से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में लाखों एकड़ भूमि की सिंचाई होती है। इस नहर का पानी शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है, खासकर जहां पानी की कमी होती है।

पंजाब का दावा है कि हरियाणा को नौ हजार क्यूसेक पानी की सप्लाई की जाती है। हरियाणा का जल प्रबंधन सही नहीं था। हरियाणा सरकार अपने तय कोटे का इस्तेमाल मार्च में ही कर चुकी है, जिसके बाद पंजाब ने हरियाणा को दिए जाने वाले पानी में पांच हजार क्यूसिक की कटौती कर दी है। इसे लेकर हरियाणा के हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, रोहतक, महेन्द्रगढ़ समेत कई जिलों में पानी की किल्लत शुरू हो गई है। यह किल्लत अन्य जिलों को भी प्रभावित कर सकती है। आने वाले दिनों में पेयजल संकट गंभीर रूप धारण कर सकता है।

इस विवाद के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मंगलवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ बातचीत की। पंजाब के मुख्यमंत्री ने एक वीडियो जारी करके इसका पलटवार किया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि हरियाणा का जल प्रबंधन सही नहीं है। हरियाणा ने पानी का इस्तेमाल किफायती तरीके से नहीं किया है। जिसके चलते हरियाणा अपना तय कोटा मार्च में ही खत्म कर चुका है। भगवंत मान ने कहा कि पंजाब द्वारा मानवता के आधार पर पेयजल के लिए हरियाणा को अभी भी चार हजार क्यूसेक पानी दिया जा रहा है। हालांकि तय नियम व शर्तों के अनुसार यह पानी भी नहीं दिया जा सकता है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हरियाणा में पानी की कमी को लेकर सुझाव दिया है कि केंद्र सरकार पाकिस्तान की तरफ जाने वाले पानी को रोकने की बात कर रही है। भगवंत मान ने कहा कि पाकिस्तान को जाने वाला पानी पंजाब के डैम में डायवर्ट कर दिया जाए। पंजाब के डैम में जब पानी आएगा तो वह हरियाणा को भेज दिया जाएगा। मान ने कहा कि भाजपा बीबीएमबी के माध्यम से दबाव बना रही है। पंजाब के पास हरियाणा को देने के लिए एक बूंद भी पानी नहीं है।

वैंकूवर। ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा में राष्ट्रीय शोक दिवस समारोह के दौरान एक स्मारक ग्लास पैनल के सामने गुलाब रखती एक महिला. कनाडा में प्रतिवर्ष 28 अप्रैल को राष्ट्रीय शोक दिवस मनाया जाता है, ताकि उन लोगों की याद में शोक मनाया जा सके, जिन्होंने नौकरी के दौरान अपनी जान गंवाई है, चोट या बीमारी का सामना किया है, या काम से संबंधित किसी त्रासदी का सामना किया है।

पर्यटन

केरल राज्य कई नदियों और पर्वत-पहाड़ियों से घिरा हुआ एक अनोखा पर्यटक स्थल है। जहां प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक यहां का सौंदर्य निहारने के लिए आते है। खास तौर पर यहां का विशिष्ट वन्य जीवन और जल प्रपात मन को मंत्रमुग्ध कर देते है।

एक अनोखा पर्यटक स्थल

केरल नेशनल पार्क

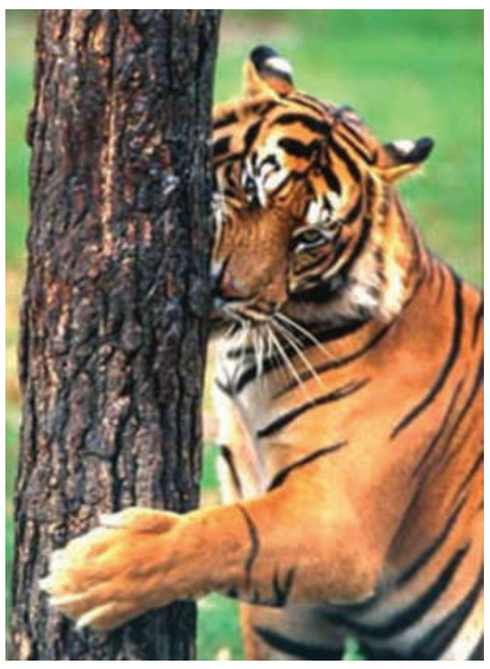

आइए जानते है केरल के महत्वपूर्ण नेशनल पार्क। जिनमें प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर मुख्य तौर इर्रावीकुलम नेशनल पार्क, पेरियार नेशनल पार्क, साइलेंट वैली नेशनल पार्क, वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क, इडुकी नेशनल पार्क आदि कई छोटे-बड़े नेशनल पार्क आते हैं। गौरतलब है कि विश्व भर में केरल वन्यजीवों की आरामगाह के रूप में भी प्रसिद्ध है।

इर्रावीकुलम

केरल और तमिलनाडु की सीमा पर स्थित इर्रावीकुलम नेशनल पार्क मुख्य रूप से नीलगाय तराह (हेमीट्रेगस हाइलो क्रिकस) के संरक्षण के लिए स्थापित किया गया पार्क है। ज्ञात हो कि नीलगाय तराह एक दुर्लभ पशु है, जो सिर्फ हिमालय के ठंडे इलाकों में पाया जाता है।

वर्ष 1978 में इस वन्यजीव पार्क को नेशनल पार्क का दर्जा प्राप्त हुआ। 97 वर्ग किलोमीटर में फैला पेड़-पौधों से भरपूर, घास के बड़े मैदान से युक्त इर्रावीकुलम पार्क के उत्तरी सिरे को, जो तमिलनाडु राज्य को छूता है, उसे अन्नामलाई के नाम से विश्व में पहचाना जाता है। यहां से अनामुड्डी हिमालय की 2695 मीटर की सबसे ऊंची दक्षिणी चोटी पूरी भव्यता के साथ इस अभयारण्य में दिखाई देती है। यहां नील गिरी लंगूर, लायन टेल्ड मेकाक, चीते, बाघ आदि कई दुर्लभ प्रकार के जीव-जंतु और वनस्पतियां भी पाई जाती है।

साइलेंट वैली

केरल के पश्चिमी छोर पर कुंडलई हिल्स पर साइलेंट वैली नेशनल पार्क स्थित है। मुख्य रूप से हाथी, बाघ और शेर, पूंछ वानर जैसे जीवों के साथ-साथ कई दुर्लभ किस्मों की औषधि और पेड़-पौधों के कारण यह पार्क प्रसिद्ध है। यहां का अनुकूल वातावरण और छोटी-बड़ी नदियां एवं पहाड़ इसे वन्यजीवों के लिए आरामगाह बनाते हैं।

पेरियार = केरल के पश्चिमी छोर पर पेरियार नेशनल पार्क स्थित है। यह मुख्य तौर पर बाघों के संरक्षण के लिए बनाया गया एक नेशनल पार्क है, जो दुनिया भर के नेशनल पार्क में अपना प्रमुख स्थान रखता है। इसे अंग्रेजों द्वारा सन् 1895 में अधिगृहीत किया गया था तथा अंग्रेजों ने उस वक्त यहां एक कृत्रिम झील और बांध का निर्माण भी किया था। पेरियार नेशनल पार्क 777 वर्ग किलोमीटर में फैला एक आरक्षित वन है। इसे प्रसिद्ध प्रोजेक्ट टाइगर के तहत वर्ष 1978 में प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। पेरियार नदी के नाम पर ही इसे पेरियार टाइगर रिजर्व भी कहा जाता है, जो पश्चिमी घाट की ऊंची श्रृंखला पर बसा सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। भारत का यह एकमात्र ऐसा अभयारण्य है, जहां हाथियों को केवल एक नाव की दूरी से देखा जा सकता है और उनकी तस्वीरें भी ली जा सकती हैं। यहां के वन्य जीवन और सुंदरता के कारण यह विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है।

वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

बाघ और तेंदुए के लिए वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह बांदीपुर नेशनल पार्क का ही हिस्सा है। इस अभयारण्य में हिरण, भालू, हाथी, बाघ-चीते, जंगली-सीएट बिल्ली, बंदर, जंगली कुत्ते, भैंसे ऐसे कई प्रकार के वन्य जीव-जंतु पाए जाते हैं। यहां पर अपार जैव विविधता है। यह अभयारण्य नील गिरी बायोस्फीयर रिजर्व का अविभाज्य भाग है, जिसे इस क्षेत्र की जैविक विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।

यहां पर विशेष पाए जाने वाले सरीसृप हैं मॉनिटर छिपकली। साथ ही अनेक प्रकार के सांप यहां देखे जा सकते हैं। यहां पक्षियों में खास तौर पर मोर, उल्लू, कठफोड़वा, जंगली फाउल, बैबलर, कुक्कु आदि मुख्य हैं।

इडुकी

केरल के दक्षिण भारतीय राज्य में बसा यहां के सर्वोत्तम स्थानों में से एक है इडुकी नेशनल पार्क। जो वन्य जीवों के लिए मुख्य तौर पर माना जाता है। यहां बाघ, हाथी, भैंस, भालू, जंगली सुअर, सांभर तथा जंगली कुत्ते-बिल्लियां आदि बड़े-बड़े झुंडों में घूमते नजर आते हैं। इस पार्क में जंगली फाउल, काली बुलबुल, लाफिंग थ्रश, कठफोड़वा, मैना आदि कुछ महत?वपूर्ण पक्षी भी दिखाई पड़ते हैं। यहां पर सांपों की अनेक प्रजातियों में विशेष कोबरा, वाइपर, क्रेट और कई विषरहित साप भी यहां पाए जाते हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि अगर आपने अभी तक केरल के नेशनल पार्क नहीं देखे हैं, तो एक बार जरूर जाइए। यहां के कई प्रजाति के वन्य जीवों को देखकर आप मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह पाएंगे।

जानिए प्राचीन शहर यरूशलम को

भूमध्य सागर और मृत सागर के बीच इसराइल की सीमा पर बसा यरूशलम एक शानदार शहर है। शहर की सीमा के पास दुनिया का सबसे ज्यादा नमक वाला डेड-सी यानी मृत सागर है। कहते हैं यहां के पानी में इतना नमक है कि इसमें किसी भी प्रकार का जीवन नहीं पनप सकता और इसके पानी में मौजूद नमक के कारण इसमें कोई डूबता भी नहीं है।मध्यपूर्व का यह प्राचीन नगर यहूदी, ईसाई और मुसलमान का संगम स्थल है। उक्त तीनों धर्म के लोगों के लिए इसका महत्व है, इसीलिए यहां पर सभी अपना कब्जा बनाए रखना चाहते हैं। जेहाद और क्रूसेड के दौर में सलाउद्दीन और रिचर्ड ने इस शहर पर कब्जे के लिए बहुत सारी लड़ाइयां लड़ी। ईसाई तीर्थयात्रियों की रक्षा के लिए इसी दौरान नाइट टेम्पलर्स का गठन भी किया गया था।इसराइल का एक हिस्सा है गाजा पट्टी और रामल्लाह। जहां फिलिस्तीनी मुस्लिम लोग रहते हैं और उन्होंने इसराइल से अलग होने के लिए विद्रोह छेड़ रखा है। यह लोग यरूशलम को इसराइल के कब्जे से मुक्त कराना चाहते हैं। अंततः इस शहर के बारे में जितना लिखा जाए कम है। काबा, काशी, मथुरा, अयोध्या, ग्रीस, बाली, श्रीनगर, जाफना, रोम, कंधहार आदि प्राचीन शहरों की तरह ही इस शहर का इतिहास भी बहुत महत्व रखता है।

प्राचीन और नया शहर

माउंट ऑफ ओलिब्स पर खड़े होकर आप सामने यरूशलम के प्राचीन शहर को देखते हैं, तो उसके मनोरम और भव्य दृश्य का नजारा देख आप मंत्रमुग्ध होकर सोचना बंद कर देते हैं। ओलिब्स पहाड़ी से सुंदर गुंबद और गुंबदों के पीछे दीवार नजर आती है। एक वर्ग किलोमीटर की पहाड़ी दीवारों से घिरा हजारों सालों का इतिहास लिए यह शहर दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी की आस्था का केंद्र हैं।

इतिहास और विवाद

हिब्रू में लिखी बाइबिल में इस शहर का नाम 700 बार आता है। यहूदी और ईसाई मानते हैं कि यही धरती का केंद्र है। राजा दाऊद और सुलेमान के बाद इस स्थान पर बेबीलोनियों तथा ईरानियों का कब्जा रहा फिर इस्लाम के उदय के बाद बहुत काल तक मुसलमानों ने यहां पर राज्य किया। इस दौरान यहूदियों को इस क्षेत्र से कई दफे खदेड़ दिया गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इसराइल फिर से यहूदी राष्ट्र बन गया तो यरूशलम को उसकी राजधानी बनाया गया और दुनिया भर के यहूदियों को पुनः यहां बसाया गया। यहूदी दुनिया में कहीं भी हों, यरूशलम की तरफ मुंह करके ही उपासना करते हैं।

ऐतिहासिक म्यूजियम व स्मारक

धार्मिक स्थलों के अलावा यहां प्राचीन एवं धार्मिक ग्रंथों का द इसराइल म्यूजियम है। इसराइल का होलोकॉस्ट म्यूजियम जिसे याद वशेम कहा जता है जिसका खासा महत्व है। यहां पर यरूशलम के इतिहास से संबंधित दस्तावेज और शहीदों के स्मारक व स्मृति चिह्नों आदि के बारे में जानकारी है। दोनों ही म्यूजियम का इतिहास बहुत पुराना है।

यरूशलम के जंगल

मुस्लिम इलाके में स्थित 35 एकड़ क्षेत्रफल में फैले नोबेल अभयारण्य में ही अल अक्सा मस्जिद, डोम ऑफ द रॉक, फव्वारे, बगीचे, गुंबद और प्राचीन इमारतें बनी हुई हैं। इसके अलावा छोटे से गॉर्डन ऑफ गेथेमिन की खूबसूरती भी देखने लायक है। इसके अलावा याद वशेम का इलाका भी यरूशलम के जंगल के नाम से प्रसिद्ध है।

पवित्र परिसर

किलेनुमा चाहरदीवारी से घिरे पवित्र परिसर में यहूदी प्रार्थना के लिए इकट्ठे होते हैं। इस परिसर की दीवार बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यह पवित्र परिसर ओल्ड सिटी का हिस्सा है। पहाड़ी पर से इस परिसर की भव्यता देखते ही बनती है। इस परिसर के ऊपरी हिस्से में तीनों धर्मों के पवित्र स्थल हैं। उक्त पवित्र स्थल के बीच भी एक परिसर है। यरूशलम में लगभग 1204 सिनेगॉग, 158 गिरजें, 73 मस्जिदें, बहुत-सी प्राचीन कब्रें, 2 म्यूजियम और एक अभयारण्य है। इसके अलावा भी पुराने और नए शहर में देखने के लिए बहुत से दर्शनीय स्थल हैं। यरूशलम में जो भी धार्मिक स्थल हैं, वे सभी एक बहुत बड़ी-सी चौकोर दीवार के आसपास और पहाड़ पर स्थित है। दीवार के पास तीनों ही धर्म के स्थल हैं। यहां एक प्राचीन पर्वत है जिसका नाम जैतून है। इस पर्वत से यरूशलम का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है। इस पर्वत की ढलानों पर बहुत-सी प्राचीन कब्रें हैं। यरूशलम चारों तरफ से पर्वतों और घाटियों वाला इलाका नजर आता है।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं ये चार टीमें

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के 18 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुर (आरसीबी), पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ में शामिल हुई शीर्ष चार टीमें हैं।

आरसीबी – रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अब तक 10 में से 7 मैच 14 अंक हासिल किये हैं। आरसीबी की नजरें प्लेऑफ का टिकट हासिल कर शीर्ष-2 में बने रहने पर होगी ताकि उन्हें फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिले।

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर की पंजाब किंग्स 10 में से 6 मैच जीती है, केकेआर के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। उसके अब तक 13 अंक है। दाके अब प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए 2 और मैच जीतने होंगे जिससे कि उसके 16 अंक से ऊपर हो जाएं।

मुंबई इंडियंस- खराब शुरुआत से उबरते हुए मुंबई 10 में से 6 मैच जीतकर अंक तालिका में अभी तीसरे स्थान पर है, उसने 6 में से लगातार 5 मैच जीते हैं। उसके 16 अंक तक पहुंचने के लिए बचे 4 में से 2 मुकाबले जीतने होंगे।

गुजरात टाइटंस- गुजरात की टीम प्लेऑफ में पहुंचने की प्रबल दावेदार है। गुजरात के 9 मैचों में 12 अंक है। टीम को अभी 6 और मुकाबले खेलने हैं। इनमें से 2 मैच जीतकर वह प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर सकती है, मगर उनकी नजरें शीर्ष 2 पर रहेगी।

मैदान में ही पैंट उतार कर गार्ड पहनने लगा एक क्रिकेटर

नई दिल्ली। क्रिकेट को भद्रजनों का खेल माना जाता है पर अब एक ऐसा वाकया नजर आत है जिससे सभी हैरान हो गये हैं। मैनचेस्टर में लंकाशायर और नॉर्थम्पटनशायर के बीच काउंटी चैंपियनशिप डिवीज़न टू मैच के दौरान ही पिच पर अचानक एक खिलाड़ी ने अचानक ही अपनी पैंट उतार कर अजीब तरीके से गार्ड पहनने लगा। जब बोहनन ने पैंट उतारी और स्पोर्टर पहनने लगे तो उनकी पैंट स्पोर्टर में फंस गई। इससे दर्शक और कमेंटेटर अपनी हंसी नहीं रोक पाये। बोहनन के जॉक स्ट्रैप को एडजस्ट करने से लेकर अपने ट्राउजर और विकेट-कीपिंग पैड को ठीक करने का प्रयास करने लगे। बोहनन ने जब किसी तरह से पैंट और स्पोर्टर पहना तो उनको सिली प्वाइंट पर फील्डिंग करने को कहा गया। उन्होंने विकेटकीपिंग पैड मंगा लिए और बड़ी कठिनाई से उन बड़े साइज के पैड को पैंट के अंदर किया।

गुजरात का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर जीत के प्लेऑफ की अपनी दावेदारी मजबूत करना चाहेगा

गुजरात और सनराइजर्स हैदराबाद में होगी टक्कर

अहमदाबाद, एजेंसी। आईपीएल में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। गुजरात का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर जीत के साथ ही पिछले मैच में मिली हार से उबरकर प्लेऑफ की अपनी दावेदारी मजबूत करना रहेगा। पिछले मैच में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी के कारण उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। गुजरात की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में अब तक काफी अच्छा रहा है, ऐसे में अब वह सनराइजर्स के खिलाफ मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद की टीम इस सत्र में बल्लेबाजी और गेंदबाजी हर क्षेत्र में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स सनराइजर्स की राह इसलिए भी कठिन नजर आती है क्योंकि उसकी ताकत बल्लेबाजी है जिसमें ही वह अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। वहीं गुजरात ने अब तक अच्छी बल्लेजी और गेंदबाजी की है। उसके पास शुभमन गिर और साई सुदर्शन जैसे बल्लेबाज हैं। सुदर्शन ने इस सत्र में अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं।

गुजरात टीम नौ मैचों में छह जीत के साथ 12 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। उसे बाकी पांच मैचों में से सिर्फ दो जीतने होंगे जिससे की प्लेआफ में पहुंचने के लिए उसे 16 अंक मिल जायें। गुजरात के सुदर्शन ने अब तक पांच अर्धशतक समेत 456 रन बनाये हैं। वहीं शुभमन ने 389 और जोस बटलर ने 406 रन बनाए हैं।

गेंदबाजी में गुजरात के पास प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और ईशांत शर्मा जैसे तेज गेंदबाज हैं। कृष्णा ने इस स्त्र में अब तक सबसे अधिक विकेट लिए हैं और उनका सामना करना सनराइजर्स के लिए आसान नहीं रहेगा।

उसके पास स्पिनर के तौर पर राशिद खान और वॉशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाज हैं जबकि सनराइजर्स अब तक नौ में से सिर्फ तीन मैच जीतकर तालिका में नौवे स्थान पर है। एक और हार से वह प्लेआफ से बाहर होगी। सनराइजर्स के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर इनमें निरंतरता की कमी रही है। शीर्षक्रम के विफल होने से मध्यक्रम पर दबाव बना है जिससे हेनरिक क्लासेन, नीतिश कुमार रेड्डी और ईशान किशन रन नहीं बना पा रहे।

पिछले दो मैचों में अभिषेक दो अंक तक भी नहीं पहुंच सके जबकि हेड ने 8 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक लगाया है। गेंदबाजी की बात करें तो कप्तान पैट कमिंस और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज भी विफल रहे हैं। अब तक केवल पे हर्षल पटेल ने ही प्रभावित किया है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), बी साई सुदर्शन, शाहरुख खान, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, अरशद खान, जयंत यादव, निशांत सिंधु, कुलवंत खेजरोलिया, गेराल्ड कोएट्जी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, गुरनूर बराड़ और करीम जनत।

चहल आईपीएल में दो हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बने

नई दिल्ली, निप्र। *पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल आईपीएल में दो हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बन गये हैं। चहल ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में हैट्रिक लगायी। इससे पहले उन्होंने 2022 आईपीएल में भी हैट्रिक लगायी थी। उनकी दूसरी हैट्रिक इसलिए भी अहम है क्योंकि सीएसके के खिलाफ आईपीएल में पहली बार कोई गेंदबाज हैट्रिक लगा पाया है। चहल ने ये हैट्रिक 19वें ओवर में लगायी। चहल ने ओवर की दूसरी गेंद पर कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी का विकेट लिया। तीसरी गेंद पर दीपक हुड्डा ने दो रन लिए पर चौथी गेंद पर चहल ने उन्हें आउट कर दिया। उसके बाद चहल ने बाकि की दो गेंदों पर अंशुल कंबोज और नूर अहमद को आउट कर हैट्रिक बनायी। युजवेंद्र चहल की यह आईपीएल में दूसरी हैटट्रिक थी। इससे पहले उन्होंने साल 2022 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हैटट्रिक लगायी थी। तब उन्होंने श्रेयस अय्यर, शिवम मावी और पैट कमिंस को आउट किया था। अब चहल आईपीएल में सबसे ज्यादा बार हैटट्रिक लेने के मामले में पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। दोनों के नाम आईपीएल में 2-2 हैटट्रिक हैं।*

वैभव के प्रशंसक अब उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का इंतजार कर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले भारतीय वैभव सूर्यवंशी के प्रशंसक अब चाहते है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करें। वैभव की उम्र अभी केवल 14 साल है पर वह काफी परिपक्व नजर आते हैं। इस बल्लेबाज ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदो में ही शतक लगाया दिया जिसमें सात चौके और 11 छक्के शामिल थे।

वैभव आईपीएल में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने डेब्यू मैच में ही पहली गेंद पर छक्का लगाया था। वह अपने तीसरे मुकाबले में ही शतक लगाने वाले टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र के बल्लेबाज हैं। वैभव ने 14 साल 32 दिन की उम्र में आईपीएल में शतक लगाया था। इससे पहले पाक के हसन रजा ने

14 साल 223 दिन जबकि बांग्लादेश के मोहम्मद शरीफ ने 15 साल 116 दिन व नेपाल के गुलसन झा ने 15 साल 212 दिन के अलावा केन्या के गुरदीप सिंह ने 15 साल 258 दिन व कनाडा के नितीश कुमार ने 15 साल 273 दिन की उम्र में डेब्यू किया था।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का रिकॉर्ड पाक के हसन रजा के नाम पर दर्ज है। केवल 14 साल और 223 दिन में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने एकदिवसीय डेब्यू किया था जबकि बांग्लादेश के मोहम्मद शरीफ ने 15 साल 116 दिन की उम्र में अपनी देश की तरफ से पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था।

भारतीय मुक्केबाजों ने एशियाई अंडर-15

अंडर-17 चैंपियनशिप में चार और स्वर्ण जीते

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजों ने पहली एशियाई अंडर 15 और अंडर 17 चैम्पियनशिप के आखिरी दिन चार और स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान का शानदार समापन किया। भारत ने कुल 15 स्वर्ण, छह रजत और 22 कांस्य पदक जीते और कजाखस्तान तथा उजबेकिस्तान के बाद तीसरे स्थान पर रहा।

टूर्नामेंट के आखिरी दिन भारत के अंडर 17 दल ने चार स्वर्ण पदक जीते और चारों पदक लड़कियों को मिले। खुशी चंद (46 किलो) ने मंगोलिया की अल्तांजुल अल्तांगादास को 3 . 2 से हराया जबकि आहना शर्मा (50 किलो) और जन्नत (54 किलो) ने उजबेक प्रतिद्वंद्वियों पर 5 . 0 से जीत दर्ज की।

अंशिका ने 80 प्लस किलोवर्ग में जोर्डन की जाना अलालावनेह को हराकर भारत को एक और स्वर्ण दिलाया। लड़कों के अंडर 17 वर्ग में देवांश (80 किलो) को रजत पदक से संतोष करना पड़ा जिन्हें फाइनल में कजाखस्तान के मुखामेदाली रूस्तेमबेक ने

5-0 से हराया। भारतीय अंडर 17 लड़कों की टीम ने एक रजत और छह कांस्य पदक जीते। अंडर 17 लड़कियों ने दो और रजत पदक जीते जो सिमरनजीत कौर (60 किलो) और हर्षिका (63 किलो) को मिले। लड़कियों ने चार स्वर्ण, दो रजत और पांच कांस्य पदक अपने नाम किए।

स्वियातेक का सामना अब कोको गॉफ से

दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने मेडिसन कीस को 0-6, 6-3, 6-2 से हराकर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। स्वियातेक का सामना अब सेमीफाइनल में कोको गॉफ से होगा जिन्होंने मिर्रा आंद्रीवा को सीधे सेटों में 7-5, 6-1 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में एरिना सबालेंका का सामना एलिना स्वितोलिना से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने मार्ता कोस्तियुक को 7-6, 7-6 से मात दी, जबकि स्वितोलिना ने मोयुका उचिजिमा को 6-2, 6-1 से हराया। पुरुष वर्ग में इटली के मातेओ अर्नाल्डी ने फ्रांसिस टियाफो को 6-3, 7-5 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना जैक ड्रेपर से होगा जिन्होंने टॉमी पॉल को 6-2, 6-2 से हराया।

व्यापार समाचार

एटीएम से पांच लेनदेन मुफ्त, नए बदलाव लागू

छठी बार पैसा निकालने पर देना पड़ेगा 23 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। अब ग्राहकों को एक महीने के दौरान एटीएम से मुफ्त स्वीकार्य सीमा से अधिक की निकासी पर प्रति लेनदेन 23 रुपये का भुगतान करना होगा। पहले बैंकों को ऐसे लेनदेन पर अधिकतम 21 रुपये तक शुल्क वसूलने की अनुमति थी। इससे पहले बैंकों को ऐसे लेनदेन पर 21 रुपये तक शुल्क लेने की अनुमति थी। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

एटीएम से जुड़े आरबीआई के निर्देश गुरुवार से लागू हो गए। अब ग्राहकों को एक महीने के दौरान एटीएम से मुफ्त स्वीकार्य सीमा से अधिक की निकासी पर प्रति लेनदेन 23 रुपये का भुगतान करना होगा। पहले बैंकों को ऐसे लेनदेन पर अधिकतम 21 रुपये तक शुल्क वसूलने की अनुमति थी।

दूसरे बैंक के एटीएम से निकासी पर मिलेगा यह लाभ: ग्राहक अपने बैंक की स्वचालित टेलर मशीनों (एटीएम) से हर महीने पांच निःशुल्क लेनदेन (वित्तीय और गैर-वित्तीय लेनदेन सहित) के लिए कर सकेंगे। वे अन्य बैंकों के एटीएम से भी मुफ्त लेनदेन (वित्तीय और गैर-वित्तीय लेनदेन सहित) के लिए पात्र हैं। मेट्रो शहरों में ग्राहक तीन लेनदेन और गैर-मेट्रो केंद्रों में पांच लेनदेन मुफ्त में कर सकेंगे।

मुफ्त लेनदेन के बाद अब बैंक अब प्रति लेनदेन वसूल सकेंगे 23 रुपये: भारतीय रिजर्व बैंक

(आरबीआई) ने 28 मार्च को ऑटोमेटेड टेलर मशीनों/कैश रिसाइक्लर मशीनों के उपयोग-इंटरचेंज शुल्क और ग्राहक प्रभार की समीक्षा से जुड़े निर्देश जारी किए थे। आरबीआई के परिपत्र में कहा गया है, मुफ्त लेनदेन के अलावा, ग्राहक से प्रति लेनदेन अधिकतम 23 रुपये का शुल्क लिया जा सकता है। यह 01 मई, 2025 से प्रभावी होगा।

संशोधित निर्देश कैश रिसाइक्लर मशीनों (नकद जमा लेनदेन के अलावा) के जरिए किए गए लेनदेन पर भी लागू होते हैं। परिपत्र में यह भी कहा गया है कि एटीएम इंटरचेंज शुल्क एटीएम नेटवर्क की ओर से तय किया जाएगा। मार्च 2025 के अंत तक 2,55,885 बैंक एटीएम, कैश रिसाइक्लर मशीन (सीआरएम) और व्हाइट लेबल एटीएम (डब्ल्यूएलए) थे।

एटीएफ की कीमत में की गई 4 प्रतिशत की कटौती

नई दिल्ली। *ईंधन की खुदरा विक्रेता कंपनियों ने गुरुवार को विमान ईंधन या एटीएफ की कीमत में 4.4 प्रतिशत कटौती का एलान किया। यह एक महीने के भीतर दूसरी बड़ी कटौती है। इसके अलावे, होटलों और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार 14.50 रुपये प्रति सिलेंडर कम कर दी गई। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। ईंधन की खुदरा विक्रेता कंपनियों ने गुरुवार को विमान ईंधन या एटीएफ की कीमत में 4.4 प्रतिशत कटौती का एलान किया। यह एक महीने के भीतर दूसरी बड़ी कटौती है। इसके अलावे, होटलों और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार 14.50 रुपये प्रति सिलेंडर कम कर दी गई। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत 3,954.38 रुपये प्रति किलोलीटर या 4.4 प्रतिशत घटकर 85,486.80 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। राजधानी देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। मूल्य में यह कटौती 1 अप्रैल को की गई 6.15 प्रतिशत (5,870.54 रुपये प्रति किलोलीटर) की भारी कटौती के बाद की गई है।*

वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं

आर्थिक लचीलेपन के लिए घरेलू दक्षता के साथ प्रतिस्पर्धा भी जरूरी

कोलकाता, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था में लचीलापन बना रहे, इसके लिए जरूरी है कि घरेलू दक्षता के साथ प्रतिस्पर्धा भी हो। कोलकाता में एक कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने कहा, सरकार निजी क्षेत्र को देश के विकास में एक भरोसेमंद सह-भागीदार के रूप में देखती है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोलकाता के न्यू टाउन में कॉरपोरेट भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, लचीलापन सुनिश्चित करने बनाने का सबसे प्रभावी तरीका घरेलू दक्षता के साथ-साथ प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाना है। उन्होंने कहा कि अनिश्चितताओं के बावजूद वैश्विक नीति परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि व्यापार करने में आसानी

के मोर्चे पर भारत में सुधार हो रहा है। यह देश को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाने के दृष्टिकोण का प्रमुख घटक है।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए व्यावसायिक नियमों को सरल बनाने के लगातार प्रयास कर रही है। कॉरपोरेट प्रशासन में निष्पक्षता और जवाबदेही को बढ़ावा देने वाले संस्थानों को मजबूत किया जा रहा है। इसके अलावा सरकार नवाचार और कौशल विकास की संस्कृति का समर्थन करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

टेस्ला कर रही नए सीईओ की तलाश, कंपनी के शेयरों में आई गिरावट

सैन फ्रांसिस्को। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने वाली कंपनी टेस्ला ने नए सीईओ की खोज शुरू कर दी है। इससे टेस्ला के शेयर में हड़कंप मच गया और बुधवार को यह शेयर करीबन 4 फीसदी गिर गया। टेस्ला के शेयर की कीमत 3.38 फीसदी गिरकर 282.16 डॉलर पर बंद हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के बोर्ड ने सीईओ एलन मस्क के संभावित उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेक्टर की दिग्गज अमेरिकी कंपनी टेस्ला ने सीईओ एलन मस्क के उत्तराधिकारी की तलाश के लिए महीनों पहले कई एग्जिक्यूटिव सर्च कंपनियों से संपर्क किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि बोर्ड यह कदम किस उद्देश्य से उठा रहा है, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है।

रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले उत्पादों में प्रवेश करेगी अमूल डेयरी

नई दिल्ली। अमूल अब डेयरी से बाहर निकलकर अपने एफएमसीजी पोर्टफोलियो को और मज़बूत करने जा रहा है। कंपनी ऑर्गेनिक चाय, चीनी और मसालों जैसे रोज़मर्रा के इस्तेमाल वाले उत्पादों में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक अ ?धिकारी ने बताया कि अमूल अब भारत की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी बन चुकी है, जिसका टर्नओवर इसके सबसे नज़दीकी मल्टीनेशनल प्रतिद्वंद्वी से 10 फीसदी ज्यादा है। कंपनी का लक्ष्य ?वित्त वर्ष 26 के अंत तक 1 लाख करोड़ रुपए का टर्नओवर छूने का है। अमूल न सिर्फ घरेलू बाजार में बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी तेजी से अपने पांव पसार रहा है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता के करीब: शीर्ष अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका व्यापार समझौता के करीब पहुंच चुका हैं, लेकिन यह अभी तक पूरा नहीं हुआ है। यह बयान शीर्ष अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार ने दिया। अमेरिकी मीडिया और पॉलिसी सर्किल में अमेरिका-भारत व्यापार समझौता की चर्चा जोरों पर है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने के बाद किसी देश के साथ होने वाली यूएस की यह पहली ट्रेड डील हो सकती है। फिलहाल, अपने व्यापारिक साझेदार देशों के साथ समझौता करने के लिए ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 90 दिन की रोक लगा दी है। अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार जेमिसन ग्रीर से एक न्यूज चैनल को दिए गए इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या भारत के साथ समझौता अंतिम चरण के करीब है।

महिंद्रा खरीदेगा एसएमएल इसुजु में 58.96 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एम एण्ड एम) ने वाणिज्यिक वाहनों के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए एसएमएल इसुजु लिमिटेड में 58.96 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। इस सौदे की कुल कीमत 555 करोड़ रुपये रखी गई है, जिसमें महिंद्रा सुमितोमो कॉरपोरेशन की 43.96 फीसदी और इसुजु मोटर्स लिमिटेड की 15 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। इस अधिग्रहण में प्रति शेयर मूल्य 650 रुपये तय किया गया है। सौदा पूरा होने के बाद महिंद्रा सेबी के अधिग्रहण नियमों के तहत अतिरिक्त 26 फीसदी हिस्सेदारी के लिए ओपन ऑफर भी पेश करेगी।

डुअल-सिलेंडर तकनीक के कारण ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हो रही टाटा पंच आईसीएनजी

मुंबई, एजेंसी। टाटा मोटर्स की सीएनजी कारों की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और इसका मुख्य कारण कंपनी की डुअल-सिलेंडर तकनीक है, जो गाड़ियों में पर्याप्त बूट स्पेस के साथ सिलेंडर को छिपाने की सुविधा देती है। इस तकनीक से टाटा की सीएनजी कारें न केवल जगह की बचत करती हैं, बल्कि बेहतर परफॉर्मेंस और माइलेज भी देती हैं। खासकर टाटा पंच सीएनजी, जो कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में पहले से ही नंबर-1 मॉडल मानी जाती है, अब अपने सीएनजी वर्जन के शानदार रियल वर्ल्ड माइलेज की वजह से चर्चा में है।

रिपोर्ट में सामने आया है कि टाटा पंच आईसीएनजी ने शहर में 20.7 किलोमीटर प्रति किलोग्राम और हाईवे पर 31 किलोमीटर प्रति किलोग्राम का माइलेज दिया। यह आंकड़े एआरएआई द्वारा बताए गए 26.99 किलोमीटर प्रति किलोग्राम के माइलेज से भी बेहतर हैं। रिपोर्ट के अनुसार टेस्ट के लिए सीएनजी टैंक को खाली

किया गया, फिर टैंक में 2 किलोग्राम सीएनजी भरी गई। इसके बाद कार को तब तक चलाया गया जब तक टैंक में गैस खत्म नहीं हुई। यह प्रक्रिया शहर और हाईवे दोनों पर की गई।

टेस्ट के दौरान टायर प्रेशर को कंपनी की सिफारिश के अनुसार रखा गया और कार में केवल एक ही व्यक्ति मौजूद था, शख्स ने जरूरत पड़ने पर एसी, वाइपर और ऑडियो सिस्टम का उपयोग किया।

2025 में कितना बदला ईपीएफओ?

ग्राहकों की प्रोफाइल में सुधार आसान, खाता ट्रांसफर का झंझट भी खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। ईपीएफओ ने ग्राहकों की ओर से प्रोफाइल अपडेट करने की प्रक्रिया आसान कर दी है। अगर आपका यूएएन नंबर आधार से जुड़ा है तो आप अब अपने नाम, जन्मतिथि, लिंग, राष्ट्रीयता, माता-पिता के नाम, वैवाहिक स्थिति, जीवनसाथी की जानकारी और नौकरी शुरू और खत्म होने की तारीख जैसी अहम जानकारियां खुद ही अपडेट कर सकते हैं। आइए साल 2025 में ईपीएफओ में हुए पांच अहम बदलावों के बारे में जानते हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने साल 2025 में अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए कई बड़े और अहम बदलाव किए हैं। इनका मकसद कर्मचारियों को अधिक से अधिक

सुविधा देना, प्रक्रियाओं को डिजिटल व आसान बनाने के साथ पारदर्शिता लाना है। ये बदलाव प्रोफाइल अपडेट करने, नौकरी बदलने पर पीएफ खाता ट्रांसफर करने या फिर अधिक पेंशन से जुड़ी नीतियों से जुड़े हैं।

प्रोफाइल अपडेट करना अब हुआ आसान: ईपीएफओ ने ग्राहकों की ओर से प्रोफाइल अपडेट करने की प्रक्रिया आसान कर दी है। अगर आपका यूएएन नंबर आधार से जुड़ा है तो आप अब अपने नाम, जन्मतिथि, लिंग, राष्ट्रीयता, माता-पिता के नाम, वैवाहिक स्थिति, जीवनसाथी की जानकारी और नौकरी शुरू और खत्म होने की तारीख जैसी अहम जानकारियां खुद ही अपडेट कर सकते हैं। इसके लिए किसी दस्तावेज की भी जरूरत नहीं है और इसे ऑनलाइन ही किया जा सकता है। हालांकि, यदि ग्राहक का यूएएन 1 अक्तूबर 2017 से पहले का है, तो कुछ चीजों में बदलाव के लिए उन्हें नियोक्ता की मंजूरी की जरूरत हो सकती है।

नौकरी बदलते समय पीएफ ट्रांसफर की झंझट भी खत्म: अक्सर नौकरी बदलने पर पीएफ खाता ट्रांसफर करने में दिक्कत आती थी। लेकिन नए बदलावों के बाद अब यह झंझट भी खत्म हो गया है। 15 जनवरी 2025 को ईपीएफओ ने इससे जुड़े नए निर्देश जारी किए हैं। इसके मुताबिक कुछ मामलों में पीएफ ट्रांसफर के लिए न तो पुराने नियोक्ता की मंजूरी की जरूरत है और न ही नए की। यह सुविधा उपलब्ध होगी यदि एक ही यूएएन से जुड़ी सदस्य आईडी का स्थानांतरण होता है।

मजदूर दिवस पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित

भारत में श्रमिकों के हित को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के श्रम कानून बनाए गए हैं

रायसेन, निप्र। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीष एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष अनिल कुमार सोहाने के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायसेन एवं श्रम विभाग के सहयोग व समन्वय से 01 मई 2025 को विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर सीएम राईस स्कूल परिसर रायसेन में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सुनील कुमार शौक चतुर्थ जिला न्यायाधीश ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में श्रमिकों के हित को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के श्रम कानून बनाए गए हैं। इन श्रम कानूनों के अंतर्गत श्रमिकों को विभिन्न अधिकार दिए गए हैं। यदि श्रमिकों को निर्धारित न्यूनतम दर से कम मजदूरी का भुगतान किया जाता है तो वह 10 गुना मुआवजा पाने का भी हकदार है। साथ ही भारत में समान काम के लिए सामान मजदूर की व्यवस्था है। चाहे महिला हो या पुरूष, यदि नियोक्ता श्रम कानून का पालन नहीं करते हैं तो आप न्यायालय की शरण ले सकते हैं।

कार्यक्रम में श्रीमती हर्षिनी यादव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायसेन द्वारा बताया गया कि किसी भी श्रमिक को बंधुआ मजदूरी व बाल श्रम के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। यह कानूनन अपराध है। इसके अतिरिक्त उन्होंने श्रमिकों को बाल श्रम निषेध अधिनियम, बंधुआ मजदूरी आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य श्रमिकों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना एवं संबंधित सुविधाओं का लाभ प्रदान करना है। श्रीमती हर्षिनी यादव द्वारा इस अवसर पर नालसा की असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों हेतु विधिक सेवा योजना के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में उपस्थित श्री संचित अस्थाना न्यायिक मजिस्ट्रेट रायसेन द्वारा श्रमिकों के अधिकारों के संबंध में अवगत कराया गया। कार्यक्रम में जिला न्यायालय के न्यायाधीषगण सहित श्री अनीस उद्दीन अब्बासी जिला विधिक सहायता अधिकारी, श्रम विभाग रायसेन से श्रम पदाधिकारी श्री जीएस मेहन्देले, श्री मयंक दिक्षित सहायक श्रम अधिकारी, श्री अतीक मोहम्मद, अस्सिटेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स श्री शुभम मालवीय उपस्थित रहे।

बिना लेआउट और मूल्यांकन के 5 लाख रुपए निकाले

परवलिया में सामुदायिक भवन निर्माण में गड़बड़ी, सरपंच से होगी वसूली, सचिव निलंबित

रायसेन, निप्र। रायसेन जिले की ग्राम पंचायत परवलिया में सामुदायिक भवन निर्माण के नाम पर 5 लाख रुपए से अधिक की राशि नियमों को दरकिनार कर निकाल ली गई। इस गंभीर वित्तीय अनियमितता के चलते जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने एक्शन लेते हुए सचिव धर्मसिंह यादव को निलंबित कर दिया है। वहीं, सरपंच छोटीबाई से धारा 92 और 40 के तहत राशि वसूली के आदेश जारी किए गए हैं।

बिना नक्शे और मूल्यांकन के खर्च कर दी राशि: जांच में सामने आया कि 17 अप्रैल 2025 को पंचायत ने सामुदायिक भवन निर्माण के नाम पर 5 लाख रुपए से अधिक की राशि आहरित की, लेकिन भवन निर्माण का न तो ले-आउट तैयार किया गया था और न ही कोई तकनीकी मूल्यांकन कराया गया था, जो कि ग्राम निर्माण नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

सीईओ ने माना सरकारी राशि का दुरुपयोग: जिला पंचायत सीईओ ने इस मामले को शासन की राशि के दुरुपयोग का गंभीर उदाहरण मानते हुए राशि की वसूली सरपंच छोटीबाई से तत्काल प्रभाव से करने के आदेश दिए हैं। सचिव को तत्काल निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर उमंग का हुआ शुभारंभ

विदिशा, निप्र। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला मुख्यालय एवं प्रत्येक विकासखंड स्तर पर ग्रीष्मकालीन अवकाश के सदुपयोग के लिए जिला पुलिस विभाग एवं खेल और युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर उमंग 2025 का आयोजन दिनांक 1 मई से 31 में 2025 तक बालक बालिका दोनों वर्गों के लिए जिला खेल परिसर स्टेडियम एवं पुलिस लाइन विदिशा में प्रात: एवं सायं के समय में किया जा रहा है। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर उमंग 2025 के अंतर्गत जिला खेल परिसर स्टेडियम में एथलेटिक्स कुश्ती फुटबॉल बास्केटबॉल करते कबड्डी हैंडबॉल बैडमिंटन, लॉन टेनिस वॉलीबॉल एवं पुलिस लाइन विदिशा में हॉकी ताइक्वांडो पेंटिंग ड्राइंग मेहंदी कराते स्केचिंग हैंडीक्राफ्ट जुंबा डांस वेटलिफ्टिंग स्पोकन इंग्लिश

बैडमिंटन खेलों का शिविर आयोजित होगा। एक माह के इस शिविर का शुभारंभ आज गुरूवार को प्रात:7 बजे स्थानीय पुलिस लाइन ग्राउंड पर किया गया। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने शुभारंभ कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को जीवन में खेलों का महत्व समझाते हुए हमेशा खेलों से जुड़े रहने एवं उसके लाभ बताए। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत चैबे, रक्षित निरीक्षक श्री बीएस चैहान, जिला खेल अधिकारी प्रदीप सिंह रावत, जिला क्रीड़ा अधिकारी शिक्षा विभाग श्री संतोष चतुर्वेदी, सूबेदार मेघा शर्मा, खेल प्रशिक्षक दिलीप सिंह थापा, श्री आशीष मोदी, श्री संजय ठाकुर, आकांक्षा शर्मा, श्री सतीश रैकवार, श्री लक्ष्मी नारायण कुशवाहा, श्री ध्रुव लोधी, श्री आमिर खान, श्रीमती सपना शर्मा, श्री गोपाल कुशवाहा आदि उपस्थित रहे। शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित समस्त खिलाड़ियों ने पुलिस लाइन से रैली प्रारंभ करते हुए स्थानीय नैनीताल गांधी होते हुए वापस पुलिस लाइन पहुंचे। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर उमंग 2025 के अंतर्गत जिले के समस्त विकासखंड में दो-दो खेलो सिरोंज हॉकी फुटबॉल कुरवाई कबड्डी को-को शमशाबाद एथलीट कुश्ती लटेरी एथलेटिक्स वॉलीबॉल गंजबासौदा एथलेटिक्स ताइक्वांडो ग्यारसपुर कबड्डी एथलेटिक्स के शिविर प्रात: एवं सांय काल में आयोजित होंगे जिसमें खिलाड़ियों को निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिला खेल अधिकारी श्री प्रदीप रावत ने 1 में 25 से प्रारंभ होने वाले इस ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर उमंग 2025 में अधिक से अधिक खिलाड़ियों से सम्मिलित होने की अपील की है।

नरवाई जलाने पर 47 एफआईआर पर्यावरण को नुकसान के 853 मामले दर्ज

रायसेन। रायसेन में नरवाई जलाने पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की। जिला प्रशासन ने नरवाई जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। किसानों को नरवाई जलाने के नुकसान और इसके प्रबंधन के विकल्पों की जानकारी निरंतर दी जा रही है। अपर कलेक्टर श्वेता पवार ने बताया कि किसानों को समझाने के बाद भी नरवाई जलाने की घटनाएं सामने आई हैं। इस पर प्रशासन ने अब तक 47 एफआईआर दर्ज की हैं। साथ ही पर्यावरण को हुई क्षति के 853 मामलों में कार्रवाई की गई है। इन मामलों में कुल 18 लाख 8 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। प्रशासन नरवाई जलाने वाले किसानों पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई कर रहा है। इससे न केवल पर्यावरण को नुकसान होता है, बल्कि मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी कम होती है।

बटकेश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा शुरू, तीन दिवसीय समारोह की कलश यात्रा से हुई शुरुआत

रायसेन, निप्र। *रायसेन के वार्ड नंबर 11 में स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर के पीछे पटेल नगर में श्री बटकेश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत 1 मई गुरुवार से हुई। पहले दिन गंज बाजार हनुमान मंदिर से गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कल 2 मई को सुबह 9 बजे से श्री रुद्र यज्ञ और हवन किया जाएगा।*

रुद्राभिषेक के बाद होगा भंडारा: समापन 3 मई को होगा। अंतिम दिन श्री रुद्राभिषेक किया जाएगा। शाम 4 बजे से भंडारे का आयोजन होगा। इसके साथ ही प्रसाद वितरण भी किया जाएगा। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर धर्म लाभ लेने का आग्रह किया है। बता दें यह कार्यक्रम वार्ड 11 के पार्षद नेहा आदित्य चावला के पिता स्वर्गीय कैलाश चावला की पुण्य स्मृति में आयोजित किया जा रहा है।

बाल विवाह की रोकथाम हेतु आयोजित की जा रही हैं विभिन्न जागरूकता

अक्षय तृतीया पर रूकवाए गए दो बाल विवाह

रायसेन, निप्र। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 अंतर्गत 21 वर्ष से कम आयु के बालक तथा 18 वर्ष से कम आयु की बालिका का विवाह बाल विवाह की श्रैणी में आता है एवं कानूनन प्रतिषिद्ध किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास दीपक संकत ने बताया कि कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया एवं आगामी विवाह मुहूर्तों के अवसर पर बाल विवाहों की संभावना के दृष्टिगत जिले में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रभावी क्रियान्यवयन में गंभीरता एवं सजगता से कार्य करते हुये जनसामान्य में बाल विवाह रोकथाम के प्रति जागरूकता लाने में सफलतापूर्वक कार्य किया है।

जिले में बाल विवाह की रोकथाम हेतु किए जा रहे प्रयासों के फलस्वरूप जिले में अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाहों की बहुत कम शिकायतें/सूचनायें प्राप्त हो रही है। प्राप्त सूचनाओं पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी- एसडीएम, जनपद पंचायत सीईओ, बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये बाल विवाह होने से पूर्व ही रूकवाया जा रहा है। जिले में इस वर्ष अभी तक प्राप्त कुल 06 बाल विवाहों की सूचनाओं पर कार्यवाही करते हुये विकासखण्ड सॉची एवं गैरतगंज अंतर्गत कुल 02 बाल विवाह रूकवाए गए हैं, जबकि प्राप्त 04 सूचनाएं असत्य पायी गई हैं।

बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी एसडीएम, जनपद पंचायत सीईओ तथा बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में आयोजित हुए सभी सामूहिक विवाह सम्मेलनों में सतर्कता से गहन निगरानी रखते हुये वर-वधु की आयु का परीक्षण किया गया एवं बाल विवाह के रोकथाम की प्रभावी कार्यवाही की गई। अक्षय तृतीया एवं विवाह मुहूर्तों के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा जन-जागरूकता के विभिन्न प्रयास किए गए! ऑगनबाड़ी एवं पंचायत स्तर पर बाल विवाह नहीं करने एवं बाल विवाह में शामिल नहीं होने की शपथ दिलवाई गई, जागरूकता हेतु रैलियों निकाली गई, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम संबंधी जागरूकता हेतु 25 अप्रैल से प्रचार-प्रसार रथ चलवाया गया तथा सेवाप्रदाता एवं धर्मगुरूओं से बाल विवाह में सेवा नहीं देने की शपथ भी दिलवाई गई।

उल्लेखनीय है कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह को सामाजिक कुरिती मानते हुये बाल विवाहों की रोकथाम हेतु लाडो अभियान का संचालन किया जा रहा है। अभियान अंतर्गत बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रति जन जागरूकता, बाल विवाहों के दुष्परिणामों के प्रति बालकों एवं उनके अभिभावकों का संवेदीकरण, विवाहों में सेवा देने वाले सेवाप्रदाताओं का उन्मुखीकरण आदि प्रचार-प्रसार किया जाता है।

मजदूर दिवस पर सॉची में श्रमिकों को किया गया जागरूक

रायसेन। मजदूर दिवस के अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी की भोपाल इकाई द्वारा पर्यटन नगरी सॉची में कार्यरत श्रमिकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में श्रमिकों को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं स्वास्थ्य से जुड़ी आवश्यक जानकारियाँ दी गईं। उल्लेखनीय है कि सॉची में एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से जलप्रदाय व सीवरेज परियोजना का कार्य प्रगति पर है। जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत श्रमिकों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों, कार्यस्थल पर सावधानी, आपदा प्रबंधन, एवं श्रम कानूनों की जानकारी दी गई। साथ ही, उन्हें हेल्थ चेकअप कैंप, पेयजल सुविधा, और स्वच्छता के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर परियोजना से जुड़े अन्य प्रतिनिधियों ने भी श्रमिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना और समाधान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का समन्वय सामुदायिक विकास अधिकारी डॉ.अमित कुल्हार ने किया और उपयंत्री सुश्री मेघना विजयवर्गीय, फील्ड इंजीनियर आकाश श्रीवास्तव व आशीष सिंह ने सहयोग किया।

औषधीय पौधों संबंधी कृषि हेतु वन समिति सदस्यों का प्रशिक्षण का संपन्न

विदिशा, निप्र। मध्यप्रदेश राज्य औषधीय पादप बोर्ड मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के निर्देशों के अनुपालन में विदिशा जिले में भी देवारण्य योजना अंतर्गत कार्यों का संपादन किया जा रहा है। जिला आयुष अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार अहिरवार ने बताया कि एक जिला एक उत्पाद औषधीय पौधे अश्वगंधा की कृषि को बढ़ावा देने

के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन सतत जारी है। जिला आयुष अधिकारी डॉ. अहिरवार ने बताया कि आयुष विभाग द्वारा आज गुरूवार को वन समिति के सदस्यों को प्रशिक्षित करने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया था यह प्रशिक्षण जिला आयुष कार्यालय कार्यक्रम बस स्टैण्ड स्थित पुरानी नगर पालिका के सभागार में आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण के दौरान समितियों के सदस्यों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया वहीं अश्वगंधा औषधीय खेती करने से होने वाले मुनाफों को रेखांकित किया गया है। समिति के सदस्यों ने क्षेत्र में अश्वगंधा की खेती करने और दूसरों को अभिप्रेरित करने पर सहमति अभिव्यक्त की है।

निर्माण कार्यों व लाभान्वित हितग्राहियों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश

विदिशा। केन्द्रीय किसान कल्याण तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान शनिवार तीन मई को ग्यारसपुर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के मद्देनजर की जाने वाली तैयारियों के संबंध में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने दिशा-निर्देश विभागों के अधिकारियों को दिए हैं। ग्यारसपुर के एसडीएम कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री द्वारा निर्माण कार्यों का लोकार्पण व भूमि पूजन के अलावा हितग्राही मूलक योजनाओं से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण करेंगे। उपरोक्त कार्यक्रम के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्माण कार्यों से संबंधित एवं हितग्राही मूलक योजनाओं से लाभान्वित होने वालों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश प्रसारित किए गए हैं। जिसमें निर्माण कार्यों से संबंधित सूची लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बुंदेल सिंह ठाकुर को तथा हितग्राही योजनाओं से लाभान्वितों की सूची जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ पंकज जैन को उपलब्ध कराने के निर्देश प्रसारित हुए हैं।

कलेक्टर विश्वकर्मा आंगनवाड़ी में बच्चों की उपस्थिति की गलत जानकरी देने पर सीडीपीओ को एससीएन जारी करने के दिए निर्देश

नागरिकों को सुलभता से मिले शासन की योजनाओं का लाभ

रायसेन, निप्र। कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा गुरूवार को सुल्तानपुर और बाड़ी क्षेत्र में आंगनवाड़ी केन्द्रों, ग्राम पंचायत कार्यालय, बाड़ी तहसील कार्यालय और बाड़ी में गैरतगंज-सिलवानी समूह नल जल योजना वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया गया। ग्राम केमवाड़ी में आंगनवाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर विश्वकर्मा ने सीडीपीओ औबेदुल्लागंज तथा सुपर वाइजर पूनम श्रीवास्तव को बच्चों की उपस्थिति के बारे में गलत जानकारी देने पर एससीएन जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर विश्वकर्मा ने ग्राम चिलवाहा और केमवाड़ी में आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण कर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से केन्द्र में दर्ज बच्चों की संख्या तथा नियमित उपस्थित, पोषण आहार वितरण, टीकाकरण आदि की जानकारी ली।

कलेक्टर विश्वकर्मा ने बच्चों से भी संवाद कर पूछा कि वह नियमित आंगनवाड़ी आते हैं या नहीं, उन्हें आंगनवाड़ी आना अच्छा लगता है या नहीं, यहां कौन-कौन सी खेल गतिविधियां होती है। उन्होंने बच्चों से नियमित आंगनवाड़ी आने के लिए कहा। ग्राम केमवाड़ी में आंगनवाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर विश्वकर्मा ने सीडीपीओ औबेदुल्लागंज तथा सुपर वाइजर पूनम श्रीवास्तव द्वारा बच्चों की उपस्थिति के बारे में गलत जानकारी देने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर विश्वकर्मा ने ग्राम ईटखेड़ी में पंचायत कार्यालय का निरीक्षण कर योजनाओं के क्रियान्वयन और समग्र ई-केवायसी कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों तथा पंचायत सचिव को शीघ्र ई-केवायसी कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बाड़ी तहसील कार्यालय का भी निरीक्षण कर राजस्व प्रकरणों के निराकरण की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि नागरिकों को शासन की सेवाओं का लाभ सुलभता से मिले। इस दौरान उन्होंने तहसील कार्यालय आए नागरिकों से भी चर्चा कर उनकी समस्याएं जानी तथा उपस्थित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश। कलेक्टर विश्वकर्मा ने बाड़ी में जल निगम अंतर्गत गैरतंगज-सिलवानी समूह नल जल योजना वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट वर्क का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की गति धीमी होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों को मेन पॉवर बढ़ाने तथा निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश। कलेक्टर विश्वकर्मा ने बाड़ी तहसील के ग्राम हरसिली में किसानों द्वारा आधुनिक पद्धति से की जा रही खेती का जायजा लिया। उन्होंने ट्रेक्टर पर बैठकर भ्रमण किया और किसान से वर्ष में ली जाने वाली फसलों, उन्नत कृषि तकनीकों के उपयोग, सुपर सीडर का प्रयोग करने से प्राप्त परिणाम आदि की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने समनापुर जागीर में आचार्य विद्यासागर गौशाला का भी निरीक्षण कर जानकारी ली। गौशाला की व्यवस्थाओं के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर द्वारा गौ सेवा की प्रशंसा भी की गई। कलेक्टर विश्वकर्मा ने खरगोन में शक्ति स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित पापड़ मिल का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने स्व-सहायता समूह की आजीविका गतिविधियों की जानकारी लेते हुए समूह के कार्यो की प्रशंसा की। कलेक्टर द्वारा बाड़ी तहसील के न्यायालयों का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

गर्ल्स कॉलेज में मजदूर दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ

विदिशा।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय विदिशा में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर आज गुरूवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. आकाश बावनगड़े समाजशास्त्र विभाग शासकीय महाविद्यालय गुलाबगंज ने श्रमिक दिवस की महत्ता के साथ श्रमिकों के अधिकार और स्थिति पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने श्रम के उचित मूल्य तथा श्रमिकों के सम्मानजनक जीवन की आवश्यकता पर बल दिया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. नीता पांडेय ने कहा कि दुनिया को सजाने-संवारने में श्रमिकों का योगदान महत्त्वपूर्ण है, किंतु दुनिया तब ही सुंदर हो सकती है, जब उन श्रमिकों का जीवन भी समृद्ध और सुंदर हो। इस कार्यक्रम में डॉ. संध्या जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का समापन कुमारी शकुन अहिरवार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा भोपाल- 462023 (म.प्र.) भोपाल से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9981502276, 27054436, 9826735596. भोपाल कार्यालय : 4240007. स्थानीय व्यवस्थापक श्याम अग्रवाल मो. नं. 9826735596 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।